● वर्ष-3
● अंक-29
रायपुर, मंगलवार
12 सितंबर 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

खालिस्तान प्रेम पर कनाड़ को भारत की फटकार

प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की कड़ी चिंताओं से अवगत कराया

नईदिल्ली। खालिस्तान का मुद्दा भारत में बहुत पुराना है। हालांकि यह बात भी सच है कि भारत में इसकी जड़ों को खत्म करने की लगातार कोशिश हो रही है। हालांकि अभी भी कुछ देशों में बैठे खालिस्तान समर्थक भारत विरोधी एजेंडे को चलाने की कोशिश में रहते हैं। इसका असर भारत की आंतरिक सुरक्षा पर भी पड़ता है। हालांकि, जिन देशों में खालिस्तान समर्थकों की तादाद ज्यादा है, वह कानाडा है। इसके बाद ब्रिटेन का नंबर आता है। जी20 की बैठक में भाग लेने के लिए दोनों ही देशों के प्रधानमंत्री यानी कि कनाडा के जस्टिन ट्रूडो और ब्रिटेन के ऋषि सुनक भारत दौरे पर आए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी द्विपक्षीय बैठक भी हुई इस दौरान भारत की ओर से यह मुद्दा उठाया गया और इस पर चिंता जताई गई।

भारत की चिंता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को वहां चरमपंथी तत्वों की भारत विरोधी गतिविधियों के बारे में भारत की कड़ी चिंताओं से अवगत कराया, जो अलगाववाद को बढ़ावा दे रहे हैं, राजनयिकों के खिलाफ हिंसा भड़का रहे हैं और वहां भारतीय समुदाय को धमकी दे रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि जी20 शिखर सम्मेलन से इतर ट्रूडो के साथ बातचीत में मोदी ने यह भी उल्लेख किया कि भारत-कनाडा संबंधों की प्रगति के लिए ''परस्पर सम्मान और विश्वास'' पर आधारित संबंध आवश्यक है।

कनाडा का जवाब

कनाडा में खालिस्तानी तत्वों की बढ़ती गतिविधियों पर भारत की चिंताओं के बारे में पूछे जाने पर ट्रूडो ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनका देश शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की स्वतंत्रता की हमेशा रक्षा करेगा, लेकिन साथ ही हिंसा को रोकेगा और नफरत का हमेशा विरोध करेगा। उन्होंने कहा, ''कनाडा हमेशा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, अंतःकरण की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की स्वतंत्रता की रक्षा करेगा और यह हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है।'' ट्रूडो ने कहा, ''साथ ही, हम हिंसा को रोकने और नफरत का विरोध करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। मुझे लगता है कि यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि कुछ लोगों की हरकतें पूरे समुदाय या कनाडा का प्रतिनिधित्व नहीं करतीं।''

पन्नू की धमकी

दिलचस्प बात यह भी है कि जिस दिन कनाडा के प्रधानमंत्री की मोदी से मुलाकात चल रही थी, उस दौरान ट्रूडो के देश में भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने की कोशिश की जा रही थी। अलगाववादी समूह सिख फॉर जस्टिस ने रविवार को कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में एक गुरुद्वारे में खालिस्तान जनमत संग्रह का आयोजन तक कर डाला। इस दौरान सिख फॉर जस्टिस का नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू भी वहां मौजूद रहा। उसने प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री तक को धमकी दे दी और साफ तौर पर कहा कि 1 दिन वह दिल्ली को खालिस्तान में बदल कर ही दम लेगा। दिलचस्प बात यह भी है कि पन्नू को कनाडा के सुरक्षा गार्डों की एक टीम से सुरक्षा मिली हुई है।

भारत और खालिस्तान

अगर भारत की बात करें तो खालिस्तान की उत्पत्ति 1940 में हुई थी। इसके बाद 1966 में भाषाई आधार पर पंजाब के पूर्ण गठन से पहले अकाली नेताओं ने 60 के दशक के बीच में सिखों के लिए स्वायत्तता का मुद्दा उठाया था। वहीं, 70 के शुरुआती दशक में चरण सिंह पंछी और डॉक्टर जगजीत सिंह चौहान ने पहले खालिस्तान की मांग की थी। अपनी मांग को तेज करने के लिए नौजवान सिखों ने 1978 में खालसा का गठन किया था। 1982 में जनरल सिंह भिंडरावाले ने स्वर्ण मंदिर के भीतर अपना ठिकाना बना लिया था।

वियतनाम में के भाषण पर राजनीति में हलचल

भारत के दिल्ली में ग्रुप ऑफ 20 शिखर सम्मेलन (जी20) के समापन के ठीक बाद हुई अपनी वियतनाम यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी मुलाकात के दौरान मानवाधिकारों का

सम्मान और स्वतंत्र प्रेस का मुद्दा उठाया था। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन का दावा महत्वपूर्ण है क्योंकि, जब पीएम मोदी इस साल जून में संयुक्त राज्य अमेरिका की अपनी पहली राजकीय यात्रा पर थे, तो कई मानवाधिकार संगठनों ने भारत में प्रेस की स्वतंत्रता पर रोक लगाने का मुद्दा उठाया था और राष्ट्रपति बाइडेन से इस बारे में बात करने का आग्रह किया था। अमेरिका में पीएम मोदी और राष्ट्रपति बाइडेन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी, मोदी ने अल्पसंख्यकों के इलाज में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के रिकॉर्ड के बारे में एक अमेरिकी पत्रकार के सवालों का जवाब दिया।अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन जो इस समय आधिकारिक यात्रा पर वियतनाम में हैं।

पाकिस्तान चारों खाने चित भारत की सबसे बड़ी जीत

दिल्ली। भारतीय टीम ने पाकिस्तान को एशिया कप के सुपर 4 मुकाबलेमें 228 रनों से हरा दिया है। भारत ने पहल बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 2 विकेट खोकर 356 रन बनाए। इसके जवाब में पाकिस्तान की टीम 32 ओवर में 128 रन ही बना सकी। कुलदीप यादव ने पांच विकेट लिए। 357 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। इमाम उल हक 9 और कप्तान बाबर आजम 10 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद बारिश की वजह सेमैच एक घंटे तक रुका रहा और फिर जब शुरू हुआ तो शार्दुल नेपहलेही ओवर में मोहम्मद रिजवान को पवेलियन भेज दिया। इसके बाद कुलदीप यादव नेफखर जमां (27) आगा सलमान (23), शादाब खान (6), इफ्ति खार अहमद (23) और फहीम अशरफ (4) को आउट किया। भारत की पाकिस्तान के खिलाफ रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है।

इससे पहले भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप के सुपर 4 मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए विराट कोहली और केएल राहुल के शतक की बदौलत 50 ओवर में 2 विकेट खोकर 356 रन बनाए। केएल राहुल और विराट कोहली शतक बनाकर नाबाद लौटे। पाकिस्तान के लिए शाहीन अफरीदी और शादाब खान ने 1-1 विकेट लिया। भारत की तरफ से विराट कोहली नेनाबाद 122, जबकि लोकेश राहुल नेनाबाद 111 रन की पारी खेली। शुभमन गिल ने 58 जबकि कप्तान रोहित शर्मा ने 56 रन बनाए। भारत ने सोमवार को कल के स्कोर 24.1 ओवर में 147/2 से आगे खेलते हुए 356 रन बनाए।

इन दिनों

✍ गिरीश पंकज

विनोबा का अनुशासन-पर्व!

सर्वोदय जैसा पवित्र विचार और %जय जगत% जैसा उदात्त-चिंतन देने वाले आचार्य विनोबा भावे का 11 सितम्बर को जन्मदिन था। वे गांधीजी की वैचारिक-परम्परा को गति देने वाले ऋषि थे। अपने जीवन के अनेक वर्ष उन्होंने पदयात्रा में ही निकाल दिए. उनका भूदान आंदोलन पूरी दुनिया में अपने किस्म का अभिनव-प्रयोग था। मेरे पिता भी उनके अनुयायी थे। उनकी भूदान यात्रा में भी उन्होंने भाग लिया था। आज भूमाफियाओं का दौर है. सर्वोदय की जगह स्वंयमोदय का दौर है. पूंजीवादी मानसिकता ने करुणा के मूल तत्व को लगभग खत्म कर दिया है. ऐसे अराजक समय में हमें बार-बार गांधी और विनोबा की ओर ही निहारना पड़ता है, उनके विचारों का अवगाहन करना पड़ता है. उन्होंने जो चिंतन दिया, वो आज भी प्रासंगिक है. महान देश बनाने के अपने विचार को विनोबा ने निरंतर गति दी। सर्वोदय और भूदान का अलख जगाते हुए विनोबा देश के हर हिस्से में गए। खूब भूदान भी लिया और अपना चिंतन भी लोगों तक पहुंचाया। पदयात्रा के दौरान विनोबा छत्तीसगढ़ भी पधारे थे. उस दौरान उन्होंने जगह-जगह प्रवचन भी दिए थे. ये प्रवचन आज भी तरोताज़ा हैं। आज से पांच दशक पहले जो बातें विनोबा रखते थे, वे आज भी उतनी जरूरी हैं. चाहे वो ग्राम स्वराज्य की बात हो, चाहे सर्वधर्म सद्भाव की अथवा भाषा को लेकर। आचार्य विनोबा भावे को पन्द्रह से अधिक भाषाएं आती थी। लिख, पढ़ और बोल सकते थे। यह उनकी अद्भुत प्रतिभा का प्रेरक उदाहरण है। उन्होंने एक सुझाव दिया था कि सभी भारतीय भाषाओं को देवनागरी लिपि में भी लिखा जाए। इससे फायदा यह होगा कि लोग आसानी से और दूसरी भाषाओं को सीख सकेंगे । इस मामले में मेरा निजी अनुभव यही है। मुझे कुछ भाषाओं के गीत आज भी याद है क्योंकि मैंने उन्हें देवनागरी लिपि में पढ़ा। चाहे वह तेलुगु भाषा हो, उड़िया हो या तमिल। तेलुगु गीत देखें,योधरे वयशीवन्न शुभोदय के स्वागता। स्वराष्टकास दल्लीका, सुप्रभात शुचिसुताम।... उड़िया का गीत, एई जन्म माटी ममता में प्रणे भरे थाऊ ,एहर लागी एहर कोने पारण मोर जाऊ। आचार्य जी ने एक और महत्वपूर्ण बात कही कि देवनागरी हिंदी की लिपि नहीं है यानी भारतीय भाषाओं के लिपि है। इस बात को ध्यान में रखना बहुत जरूरी है। आपातकाल को उन्होंने अनुशासन पर्व कहा था। इस बात को लेकर के उनकी काफी आलोचना हुई थी, लेकिन अनुशासन पर्व उन्होंने क्यों कहा, इसको भी समझना होगा। अनुशासन का अर्थ होता है किसी नियम में बंध कर रहना। तो उस समय इंदिरा गांधी ने देश को अपने नियम में बांध कर रखा था, तो एक तरह से वह अनुशासन ही तो हुआ! अनुशासन पर्व में व्यंग्य की भी ध्वनि है। बाबा ने बहुत बड़ा व्यंग्य किया था। उन्होंने देश में गोवध पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लिए आमरण अनशन शुरू किया था। दुर्भाग्य की बात यह रही कि गौवध पर प्रतिबंध का झूठा वादा करके उनका अनशन तुड़वा दिया गया था। उसके कुछ समय बाद ही बिनोवा भावे जी की मृत्यु हो गई उन्होंने स्नेहेन सहजीवनम का सुंदर मंत्र दिया। उन्होंने गीता का सुंदर भाष्य किया। कुरान की सुंदर आयतों का हिंदी में अनुवाद भी किया। महावीर और बुद्ध के वचनों को भी हिंदी में प्रस्तुत किया। वे चाहते थे कि भारतीय भाषाओं को देवनागरी लिपि में लिखा जाए। मेरा सौभाग्य है कि उनकी रचनावाली के पूरे अठारह खंड मेरी धरोहर हैं, जिन्हें समय-समय पर देखकर खुद को पुनरनवीन करता रहता हूँ। उनको नमन।

प्रमुख समाचार

राम मंदिर के उद्घाटन के बाद हो सकती है गोधरा जैसी घटना:उद्धव

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के भाजपा पर सीधे हमले से एक नया विवाद शुरू हो गया। उद्धव ने कहा कि ऐसी संभावना है कि राम मंदिर उद्घाटन के बाद गोधरा जैसी स्थिति हो सकती है। सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए उद्धव ने कहा कि सरकार राम मंदिर उद्घाटन के लिए बड़ी

संख्या में लोगों को आमंत्रित कर सकती है और उनकी वापसी यात्रा पर गोधरा जैसी घटना हो सकती है। आपको बता दें कि राम मंदिर का उद्घाटन लोकसभा चुनाव से पहले जनवरी 2024 में होने की संभावना है, ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है। पीएम मोदी के हाथों उद्घाटन के लिए 21 जनवरी से 24 जनवरी के बीच की संभावित तारीख तय की जा रही है। वहीं, उद्धव के बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि मैं बस इतना कहना चाहूंगा कि यह पूरा गठबंधन, जो पीएम मोदी के खिलाफ है, वोट के लिए किसी भी सीमा तक जा सकता है... मैं भगवान राम से प्रार्थना करना चाहता हूं कि उन्हें कुछ सद्बुद्धि दें। यह शर्मनाक और अशोभनीय टिप्पणी है।

छत्तीसगढ़ चुनाव के लिए कांग्रेस ने किया समितियों का गठन

रायपुर। कांग्रेस पार्टी ने सोमवार को छत्तीसगढ़ में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया। समितियों में एक चुनाव अभियान समिति, कोर समिति, संचार समिति और प्रोटोकॉल समिति शामिल हैं। पार्टी के बयान में कहा गया है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इन समितियों के गठन के प्रस्ताव को तत्काल प्रभाव से मंजूरी दे दी है। कुमारी शैलजा की अध्यक्षता वाली सात सदस्यीय कोर कमेटी में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, छत्तीसगढ़ कांग्रेस के अध्यक्ष दीपक बैज, डिप्टी सीएम टीएस सिंह देव, ताम्रध्वज साहू और शिव कुमार सहरिया शामिल हैं। कांग्रेस महासचिव प्रभारी संगठन केसी वेणुगोपाल द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, चुनाव अभियान समिति की अध्यक्षता चरण दास महंत करेंगे। 74 सदस्यीय चुनाव अभियान समिति में मुख्यमंत्री बघेल, डिप्टी डीईओ ताम्रध्वज साहू, रविंदर चौबे, मोहम्मद अकबर, शिव कुमार डहरिया, कावाकी लखमा, प्रेमसाय सिंह टेकाम और अनिला भेंड़िया होंगी। छत्तीसगढ़ के मंत्री मोहन मरकाम और उमेश पटेल के अलावा राज्यसभा सदस्य राजीव शुक्ला, रंजीत रंजन, फूलो देवी नेताम और केटीएस तुलसी भी समिति का हिस्सा हैं।

ममता बनर्जीने मंत्रिमंडल में किया बड़ा फेरबदल

नईदिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंत्रिमंडल में बड़ा फेरबदल करते हुए गायक से नेता बने इंद्रनील सेन को नया पर्यटन मंत्री नियुक्त किया है। पर्यटन पोर्टफोलियो एक अन्य गायक से नेता बने बाबुल सुप्रियो के पास

था। कुल मिलाकर छह मंत्रियों के विभागों में बदलाव किये गये। राज्य सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सुप्रियो को नवीकरणीय ऊर्जा का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। राज्य की वन मंत्री ज्योति प्रिया मल्लिक को सार्वजनिक उद्यम और औद्योगिक पुनर्निर्माण विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। प्रदीप मजूमदार, जो पंचायत मामलों और ग्रामीण मामलों के मंत्री हैं, को राज्य सहयोग विभाग सौंपा गया है। राज्य के पूर्व सहकारिता मंत्री और अनुभवी टीएमसी नेता अरूप रॉय को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और बागवानी विभाग का प्रभार दिया गया है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग विभाग संभालने वाले गुलाम रब्बानी को कोई प्रभार नहीं दिया गया है, लेकिन वह फिलहाल मंत्री बने रहेंगे।

चीन के कब्जे में एक इंच जमीन भी नहीं है : उपराज्यपाल

नईदिल्ली। लद्दाख के ब्रिगेडियर. (डॉ.) बी.डी. मिश्रा ने सोमवार को केंद्र शासित प्रदेश में चीनियों द्वारा जमीन पर कब्जे के कांग्रेस नेता राहुल गांधी के दावों का खंडन किया और कहा कि एक वर्ग इंच जमीन भी नहीं गई है। एलजी ने

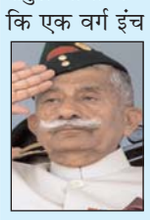

एक कड़ा बयान जारी किया और कहा कि भारतीय सशस्त्र बल किसी भी स्थिति के लिए तैयार हैं और जरूरत पड़ने पर दुश्मन को करारा जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि मैं किसी के बयान पर टिप्पणी नहीं करूंगा लेकिन जो तथ्य है वही कहूंगा क्योंकि मैंने खुद देखा है। एक भी वर्ग इंच भूमि नहीं है जिस पर चीनियों ने कब्ज़ा कर लिया हो...सच बात यह है कि हमारी सशस्त्र सेनाएं किसी भी स्थिति के लिए तैयार हैं और भगवान न करे अगर गुब्बारा ऊपर चला गया, तो ऐसे लोगों को करारा जवाब मिलेगा। उन्होंने चीन के साथ सीमा विवाद को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि लद्दाख पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी सही नहीं है। उन्होंने कहा था कि यहां लोग कह रहे हैं कि चीनी सेना हमारी जमीन में घुस आई है।

जेट एयरवेज के संस्थापक 14 सितंबर तक ईडी की हिरासत में

नईदिल्ली। जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल को पीएमएलए कोर्ट ने 14 सितंबर तक ईडी की आगे की हिरासत में भेज दिया। आज उनकी ईडी हिरासत खत्म होने के बाद उन्हें मुंबई में विशेष पीएमएलए कोर्ट में पेश किया गया था। ईडी ने नरेश

गोयल द्वारा जांच में सहयोग न करने का हवाला देते हुए 4 दिन की मोहलत मांगी थी। मनी लॉन्ड्रिंग मामले की शुरुआत केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा केनरा बैंक में 538 करोड़ रुपये के कथित धोखाधड़ी मामले में जेट एयरवेज, गोयल, उनकी पत्नी अनीता और कंपनी के कुछ पूर्व अधिकारियों के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर से हुई थी। ईडी द्वारा जुलाई में नरेश गोयल और मामले में कथित रूप से शामिल अन्य लोगों से जुड़े परिसरों पर छापेमारी की गई थी। सुनवाई के दौरान नरेश गोयल के वकील अबाद पोंडा ने अदालत से उन्हें बोलने की अनुमति देने का अनुरोध किया। हाथ जोड़कर, नरेश गोयल ने अपनी शारीरिक बीमारियों के बारे में बताते हुए कहा कि वह जोड़ों के गंभीर दर्द से पीड़ित हैं, जिसके कारण हिरासत के दौरान उन्हें नींद नहीं आ रही थी।

जी-20 सम्मेलन

विश्व मंच पर बढ़ी साख,

सर्वसम्मति ने साबित कर दी भारत के कूटनीतिक नेतृत्व की क्षमता

एसडी मुनि

यह भारतीय कूटनीति एवं विदेश नीति की सबसे बड़ी सफलता है कि भारत की अध्यक्षता में नई दिल्ली में हुए दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में जारी घोषणापत्र के सभी 83 बिंदुओं पर सर्वसम्मति से मुहर लग गई। रूस-यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर साझा घोषणापत्र पर सहमति बनाना एक बड़ी चुनौती था, लेकिन भारत ने तर्क दिया कि जी-20 को यूक्रेन में जारी युद्ध का मंच न बनाया जाए, क्योंकि विकासशील देशों के समक्ष प्रमुख मुद्दा आर्थिक संकट का है। इस तरह इसमें यूक्रेन युद्ध का जिक्र करते हुए वहां समग्र व स्थायी शांति सुनिश्चित करने की बात तो कही गई, लेकिन रूस की आलोचना नहीं की गई है।

हालांकि प्रधानमंत्री ने फिर से दोहराया कि यह युद्ध का समय नहीं है। घोषणा पत्र में परमाणु हमलों, परमाणु हमले की धमकी का जिक्र करने के साथ आह्वान किया गया कि सभी देश अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करते हुए दूसरे देश की क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुता एवं अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का पालन करें, ताकि शांति व स्थिरता सुनिश्चित हो सके। असल में, अमेरिका सहित पश्चिमी देशों ने इस बार थोड़ी नरमी दिखाई है, क्योंकि उनके द्वारा हथियार दिए जाने के बावजूद यूक्रेन कुछ नहीं कर पा रहा है, जबकि रूस अब भी प्रभावी है।

नई दिल्ली घोषणापत्र पर सहमति बनना इसलिए भी अहम है कि पिछले नौ महीनों के दौरान जितनी भी जी-20 की मंत्रिस्तरीय बैठकें हुईं, उनमें साझा घोषणापत्र जारी नहीं हो पाया

था। लेकिन इस घोषणा पत्र में पिछले नौ महीनों के दौरान भारत की ओर से रखे गए लगभग सभी प्रस्तावों को शामिल किया गया है, जिस पर सबने सहमति जताई है।

इस सम्मेलन की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि यह है कि भारत ने अफ्रीकी देशों के संगठन अफ्रीकी संघ को जी-20 का सदस्य बनाने की जो पहल की, उसमें भी उसे सफलता मिली। इससे भारत को अंतरराष्ट्रीय मामलों में इन देशों का समर्थन हासिल करने और वहां अपना प्रभाव बढ़ाने में मदद मिलेगी। अफ्रीकी संघ 55 देशों का समूह है, जिसकी आबादी करीब डेढ़ अरब है। यह एक बहुत बड़ा मुक्त व्यापार क्षेत्र है, जहां भारतीय उत्पादों को बाजार मिल सकता है।

वास्तव में बाली शिखर सम्मेलन में अफ्रीकी संघ के प्रेसिडेंट ने स्थायी सदस्यता की मांग उठाई थी, तो हमारे प्रधानमंत्री ने उन्हें कहा था कि हम आपसे वादा करते हैं कि अगली बार आपको इसमें शामिल किया जाएगा और इस बार अफ्रीकी संघ को जी-20 समूह में शामिल किया गया। अफ्रीकी संघ को बहुत देर से जी-20 की सदस्यता मिली है, यह दस साल पहले हो जाना चाहिए था। असल में पहले जितनी संस्थाएं बनीं, उसमें पश्चिमी देशों का वर्चस्व रहा, इसलिए अफ्रीका को बाहर रखा गया था। जी-20 में अफ्रीकी संघ को शामिल करना स्वागत योग्य कदम है।

इसके अलावा, भारत ने ग्लोबल साउथ यानी एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के विकासशील एवं गरीब देशों के हितों का ध्यान रखने का मुद्दा उठाया, उसे भी स्वीकार किया गया। इसके पीछे असली बात यह है कि भारत और चीन के बीच इस बात की प्रतिद्वंद्विता चल रही है कि ग्लोबल साउथ का नेता कौन? भारत तो हमेशा से ग्लोबल साउथ के हितों की बात कर रहा है। गुटनिरपेक्ष आंदोलन तो भारत ने ही शुरू किया, चीन ने तो किया नहीं। हम तो विकासशील एवं गरीब देशों के पुराने समर्थक रहे हैं। चूंकि चीन के पास बहुत पैसा है, इसलिए इधर वह कर्ज देकर ग्लोबल साउथ के देशों का नेतृत्व करना चाहता है। इसके कारण चीन का प्रभाव ग्लोबल साउथ धीरे-धीरे बढ़ रहा है। लेकिन भारत ने इस सम्मेलन में ग्लोबल साउथ के हितों का मुद्दा उठाकर चीन की विस्तारवादी नीति को करारी मात देते हुए बढ़त बना ली है।

इस घोषणापत्र में सिर्फ चीन को ही सख्त संदेश नहीं दिया गया है, बल्कि पाकिस्तान के लिए भी सख्त संदेश है। घोषणा पत्र में कहा गया है कि आतंकवाद को किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा। आतंकवाद को अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरा बताया गया है। घोषणापत्र के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय कानून के आधार पर एक समग्र दृष्टिकोण ही आतंकवाद का प्रभावी ढंग से मुकाबला कर सकता है।

मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर में आम आदमी पार्टी का हल्ला बोल, निकाली टॉर्च रैली

मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। मनेंद्रगढ़ के भगत सिंह तिराहे पर आम आदमी पार्टी ने अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। ये सभी मोबाइल का टॉर्च जलाकर प्रदर्शन करते नजर आए। आप पार्टी के कार्यकर्ताओं को प्रदर्शन के दौरान एसडीएम और एएसपी की ओर से समझाइश दी गई लेकिन कार्यकर्ता नहीं माने और लगातार प्रदर्शन करते रहे।

प्रदर्शन कर रहे आप कार्यकर्ताओं ने कहा कि प्रदर्शन स्थल पर कलेक्टर के आने और लिखित आश्वासन मिलने के बाद ही वे प्रदर्शन खत्म करेंगे। आप के कार्यकर्ताओं ने गांवों में बिजली कटौती और बेसिक सुविधाओं में कमी का आरोप लगाकर विरोध प्रदर्शन किया है। इससे पहले आम आदमी पार्टी ने 28 अगस्त को भी अपनी मागों को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा था। कार्यकर्ताओं का कहना है कि इनकी पांच सूत्रीय मांगें उचित है। 28 को ज्ञापन सौंपने के बाद भी कार्रवाई न

होने पर फिर से इन्होंने विरोध प्रदर्शन किया है।

ये हैं आप की मांगे-पहली मांग- सीएमएचओ मनेन्द्रगढ़ डॉक्टर सुरेश तिवारी की लापरवाही के कारण कई मरीजों की मौत हो चुकी है, वे ज्यादातर समय से अस्पताल नहीं जाते बल्कि अपने क्लीनिक पर ही उनका ध्यान रहता है। उनपर कार्रवाई की मांग। दूसरी मांग- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनेन्द्रगढ़ में स्त्री रोग विशेषज्ञ, एक्स-रे मशीन, सोनोग्राफी मशीन, रात कालीन एमबीबीएस डॉक्टर की सुचारू रूप से व्यवस्था की मांग। तीसरी मांग-आम आदमी पार्टी जिस प्रकार से मनेन्द्रगढ़ विधानसभा के विधायक विनय जायसवाल और भरतपुर विधायक गुलाब कमरो के द्वारा सुरक्षा अनुदान की राशि की बंदरबांट करने के मामले में कार्रवाई की मांग। चौथी मांग- भरतपुर जनकपुर कोटा डाल मार्ग के प्रभावितों 400 किसानों को तुरंत मुआवजा देने की मांग। पांचवी मांग- भरतपुर में विद्युत कटौती और वोल्टेज की समस्या लगातार बनी हुई है जिसे तत्काल दुरुस्त करने के संबंध में ज्ञापन सौंपा गया।

छत्तीसगढ़ में इन दिनों आप पार्टी एक्टिव मोड में है। हाल ही में आम आदमी पार्टी ने अपने प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी कर दी थी। कई दिग्गजों को प्रत्याशी चुना है। प्रदेश में आम आदमी पार्टी तीसरी पार्टी के तौर पर खुद को मजबूत कर रही है। लगातार कई मुद्दों को लेकर इन दिनों आप पार्टी प्रदर्शन भी करते नजर आ रही है। इतना ही नहीं आप प्रमुख दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल भी छत्तीसगढ़ का दौरा कर चुके हैं। साथ ही प्रदेश की जनता से आप को वोट देने की अपील कर चुके हैं।

दंतेवाड़ा में भाजपा की परिवर्तन यात्रा की तैयारी पूरी, नितिन नबीन ने कांग्रेस पर किया हमला

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ में बीजेपी ने चुनाव से पहले अपनी कमर कस ली है. दंतेवाड़ा से परिवर्तन यात्रा निकालकर बीजेपी अपनी चुनावी यात्रा का आगाज करेगी। इस परिवर्तन यात्रा से पहले दंतेवाड़ा में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस यात्रा को हरी झंडी दिखाने के लिए केंद्रीय गृहमंत्री मंगलवार को दंतेवाड़ा में रहेंगे।जहां वे दंतेश्वरी माता से आशीर्वाद लेने के बाद परिवर्तन यात्रा के रथ को हरी झंडी दिखाएंगे।

बीजेपी की परिवर्तन यात्रा और अमित शाह की मौजूदगी के कारण दंतेवाड़ा में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और बीजेपी के दिग्गज नेता बाबूलाल मंडावी भी दंतेवाड़ा आ रहे हैं।आपको बता दें कि पिछले विधानसभा चुनाव में बस्तर में बीजेपी ने सिर्फ एक सीट जीती थी।जिसे उपचुनाव में वो हार गई थी।यानी बस्तर से पूरी तरह से बीजेपी का सफाया हो चुका था।लिहाजा इस बार बीजेपी अपनी खोई साख को वापस पाने के लिए जोर आजमाईश कर रही है।

छत्तीसगढ़ सह प्रभारी नितिन नबीन ने परिवर्तन यात्रा से जुड़ी तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान नितिन नबींन ने राज्य सरकार को सुरक्षा के मामले में घेरा।साथ ही साथ कहा कि बीजेपी की परिवर्तन यात्रा से कांग्रेस सरकार की उल्टी गिनती शुरु हो गई है। उन्होंने कहा छत्तीसगढ़ में भूपेश सरकार के भ्रष्टाचार को उजागर करते हुए इस परिवर्तन यात्रा के माध्यम से जनता के बीच उनके कर्म को बताया जाएगा। साथ ही साथ केंद्र सरकार की गरीब कल्याण योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य हमारे कार्यकर्ता करेंगे।

नितिन नबीन की माने तो अबकी बार छत्तीसगढ़ में कमल खिलेगा जिसके लिए हमारी तैयारी पूरी हो चुकी है और इसका आगाज दंतेवाड़ा से किया जा रहा है। दंतेवाड़ा से निकलने वाली भाजपा की परिवर्तन यात्रा को गृहमंत्री अमित शाह हरी झंडी दिखाकर वापस दिल्ली रवाना हो जाएंगे। वहीं आगे आने वाले दिनों में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी समेत अन्य केंद्रीय मंत्री समयानुसार परिवर्तन यात्रा में शामिल होते जाएंगे।

मेहनत करने की आदत बनाये रखें : मुख्य सचिव

■ मुख्य सचिव ने ग्रंथालय और युवोदय अकादमी की व्यवस्थाओं की सराहना

जगदलपुर। मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन ने रविवार की शाम को लाला जगदलपुरिया ग्रन्थालय का अवलोकन कर सभी अध्ययन करने वालों के लिए जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध करवाई व्यवस्थाओं की सराहना की। इस दौरान उन्होंने अध्ययनरत प्रतिभागियों से उनके तैयारियों के सम्बंध में चर्चाकर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर नव चयनित अधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें बधाई भी दी। मुख्य सचिव ने कहा कि युवाओं से मिलने से एक उत्साह की अनुभूति होती है। उन्होंने ई-क्लास में पढ़ाई कर रहे बच्चों से संस्थान द्वारा दी सुविधाओं और उनके भविष्य के लक्ष्यों के सम्बन्ध में चर्चा किए।

जैन ने परिसर में स्थित युवोदय अकादमी में अध्ययनरत विद्यार्थियों से मुलाकात किए। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि मेहनत करने की आदत बनाये रखें। साथ ही जीवन में खेलकूद की गतिविधियों को शामिल कर कोई भी आउटडोर खेल एक घंटा खेले जिससे एकाग्रता बढ़ाने और समझ विकसित करने में सहायता मिलती है। ग्रुप डिस्कशन को बढ़ावा दें। मुख्य सचिव ने युवोदय अकादमी के शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। मुख्य सचिव ने बच्चों को भौतिकी के सवाल पूछे और उसे विस्तृत रूप से वर्णन भी किए। ज्ञात हो कि इस संस्था से इस वर्ष 44 बच्चों ने एनईईटी के लिए क्वालीफाई हुए हैं। इस अवसर पर कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. वरिष्ठ

पुलिस अधीक्षक श्री जितेंद्र मीणा, सीईओ जिला पंचायत श्री प्रकाश सर्वे सहित संस्थान के प्रभारी अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्य सचिव ने सेहत बाजार मिलेट कैफे का किया अवलोकन

मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन श्री अमिताभ जैन ने रविवार को जगदलपुर के दलपत सागर आइलैंड के समीप स्थित सेहत बाजार मिलेट कैफे का अवलोकन किया। वहीं उन्होंने बस्तर के पारंपरिक लघु धान्य फसल कोदो-कुटकी एवं रागी से बने व्यंजनों के बारे में जानकारी ली और रागी से निर्मित डोसा, बड़ा एवं पिज्जा का लुत्फ उठाया। उन्होंने इन व्यंजनों के स्वाद की बहुत तारीफ की। श्री जैन ने मिलेट कैफे संचालन करने वाले मोम्स फूड के सदस्यों से रूबरू चर्चा करते हुए, उनका उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने जिले में मिलेट मिशन के अंतर्गत मिलेट फसलों की खेती सहित मिलेट उत्पादों के सम्बंध में विस्तारपूर्वक अवगत कराया। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री जितेंद्र मीणा, जिला पंचायत सीईओ श्री प्रकाश सर्वे, अपर कलेक्टर एवं नगर निगम आयुक्त श्री हरेश मण्डावी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

शराबबंदी को लेकर भाजपा महिला मोर्चा ने किया आबकारी दफ्तर का घेराव

■ बैरिकेड पर चढ़कर महिलाओं ने किया प्रदर्शन

भिलाई। छत्तीसगढ़ में साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। लगातार बीजेपी और कांग्रेस हर मुद्दे को लेकर एक दूसरे को घेरते नजर आ रही है। इस बीच सोमवार को बीजेपी महिला मोर्चा ने भिलाई में आबकारी दफ्तर का घेराव किया। इस दौरान महिलाओं ने तालाबंदी का पोस्टर लेकर बघेल सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इधर, पुलिस विभाग ने आबकारी कार्यालय के सामने बैरिकेड लगा दिया था। हालांकि प्रदर्शनकारी महिलाओं ने बैरिकेड पर चढ़कर विरोध प्रदर्शन किया।

भाजपा महिला मोर्चा के भिलाई जिला अध्यक्ष स्वीटी कौशिक और जिला अध्यक्ष बृजेश बिजीपुरिया के नेतृत्व में सैकड़ों महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने विरोध किया। महिलाओं ने पहले रैली निकाली और सेक्टर 1 आबकारी विभाग के दफ्तर पहुंचे। महिला मोर्चा की ओर से आबकारी विभाग कार्यालय में ताला लगाने की कोशिश की। उससे पहले ही पुलिस ने बैरिकेटिंग कर महिला मोर्चा के कार्यकर्ताओं को रोक दिया गया। हालांकि महिला मोर्चा के कार्यकर्ता बैरिकेडिंग तोड़कर अंदर घुस गए। महिलाओं ने बैरिकेड पर चढ़कर जमकर

प्रदर्शन किया।

नकली शराब पीने से हो रही मौंतें- बीजेपी महिला मोर्चा की जिलाअध्यक्ष स्वीटी कौशिक ने कहा कि, कांग्रेस सरकार ने शराबबंदी करने की घोषणा की है। लेकिन अभी तक उनका वादा पूरा नहीं हो पाया है। नकली शराब पीकर लोगों की मौतें हो रही है। इसलिए हम आबकारी विभाग में ताला लगाने आए हैं। लगातार छत्तीसगढ़ में नशे के कारण आरपाधिक घटनाएं होती रहती है।

भाजपा जिला अध्यक्ष, बृजेश बिजीपुरिया ने कहा सरकार अपना वादा पूरा करे वरना आगामी चुनाव में प्रदेश की जनता और खासकर महिलाएं उसे बाहर का रास्ता बताना नहीं भूलेंगी। शराब की वजह से कई घरों में झगड़ा होता रहता है। शहर में क्राइम बढ़ रहा है।

बता दें कि इन दिनों बीजेपी शराबबंदी, कोयला घोटाला सहित कई मुद्दों पर छत्तीसगढ़ की बघेल सरकार को घेरने में जुटी है। हालांकि कांग्रेस भी पिछले 15 सालों का हवाला देते हुए बीजेपी के सवालों पर पलटवार कर रही है।

बिलासपुर में अवैध शराब बेचने का हाईटेक तरीका

बिलासपुर। आपने अवैध शराब बेचने और छिपाने के कई मामले देखे होंगे। लेकिन आज हम आपको शराब बेचने के अनोखे तरीके को बताने जा रहे हैं, जिसे पता करने के लिए पुलिस के भी पसीने छूट गए। अवैध शराब बेचे जाने का मामला बिलासपुर के सीपत इलाके के देवरी के लाखापारा का है। जहां पर आरोपी ने अवैध शराब बेचने के लिए बाड़ी के बाहर एक गड्ढा खोदा। गड्ढे में जेरिकन डालकर उसमें महुआ शराब डाल दी। इसके बाद जेरिकेन से पाइप लाइन निकालकर उसका कनेक्शन किचन के नल से कर दिया। शराब ऊपर लाने के लिए उसने पंप भी लगाया था। जिसे देखने के बाद किसी को यही लगता कि ये पानी के लिए बोरिंग की गई है। यही कारण था कि आरोपी किसी की पकड़ में नहीं आ रहा था।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

मुख्यमंत्री का धमतरी हेलीपेड पर हुआ गर्मजोशी से स्वागत

धमतरी। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल आज धमतरी जिले में रामायण महोत्सव और राम वनगमन पर्यटन परिपथ अंतर्गत निर्मित भगवान श्रीराम की भव्य मूर्ति का अनावरण और अधोसंरचना निर्माण कार्यों के लोकार्पण हेतु नगरी-सिहावा के मुकुंदपुर हैलीपेड पहुँचे। मुख्यमंत्री के साथ प्रदेश के गृह एवं पर्यटन मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू साथ आए। हेलीपैड पर सिहावा विधायक और मध्यक्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष डॉ लक्ष्मी ध्रुव, महापौर नगर पालिक निगम, धमतरी श्री विजय देवांगन, अध्यक्ष दिव्यांग जन सलाहकार बोर्ड श्री मोहन लालवानी, उपाध्यक्ष जिला पंचायत श्री निशु चंद्राकर, श्री शरद लोहना, आईजी श्री आरिफ शेख, कलेक्टर श्री ऋचुराज रघुवंशी, पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत ठाकुर स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने गुलदस्ता भेंटकर मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। बघेल आज रामायण महोत्सव और राम वनगमन पर्यटन परिपथ अंतर्गत निर्मित भगवान श्रीराम की भव्य मूर्ति का अनावरण और अधोसंरचना निर्माण कार्यों का लोकार्पण करेंगें।

मेकाज में तैनात सुरक्षाकर्मियों की ग्रेच्युटी खा गई कंपनी

जगदलपुर। मेकाज में सुरक्षा का काम करने वाली पुरानी कंपनी सीडीओ ने सुरक्षाकर्मियों से कई वर्षो तक काम तो करवाया, लेकिन ग्रेज्यूटी के पैसे नहीं जमा करवाये। जिसके चलते टेंडर के बदलते ही अब पुरानी कंपनी से सुरक्षाकर्मी अपने पैसों को दिलवाने के लिए बस्तर कलेक्टर से गुहार लगा रहे हैं। साथ ही कंपनी के लाइसेंस को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। सुरक्षा गार्डों की ओर से बस्तर कलेक्टर को दी गई शिकायत में कहा गया है कि मैसर्स सीडीओ सिक्योरिटी एवं पब्लिक हेल्पलाइन सर्विसेस भिलाई जिला दुर्ग की कंपनी में पिछले कई वर्षों से संस्था की अनुबंधित इकाइयों में सुरक्षा पर्यवेक्षक सुरक्षाकर्मी के रूप में लगातार अपनी-अपनी सेवाएं देते आए हैं। उपरोक्त संस्था का काम बस्तर में जून 2023 बंद हो गया और कंपनी में काम करने वाले सभी सुरक्षा गार्डों को 31 मई 2023 को संस्था से कार्य मुक्त कर दिया गया था। सभी ने कंपनी के लिए पांच साल से ज्यादा काम किया है, ऐसे में उन्हें ग्रेज्यूटी मिलनी चाहिए। लेकिन कंपनी देने से इंकार कर रही है।

कप्यूटर आपरेटर सहित 112 पदों पर होगी भर्ती

बिलासपुर। तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के 112 पदों पर नियुक्ति के लिए छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा भर्ती प्रक्रिया के लिए नियुक्त चयन समिति ने विज्ञापन जारी किया है। इसमें आरक्षण रोस्टर से लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा वर्ष 2022 में दायर एलएसपी में दिए गए निर्देश के अनुसार लागू करने और यह व्यवस्था सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अधीन रहने की बात कही गई है। जारी विज्ञापन में अनुवाद हिंदी से अंग्रेजी, सहायक ग्रेड तीन, कंप्यूटर आपरेटर, प्रोसेस राइटर, वाहन चालक, भृत्य, आदेशिका वाहक के 112 पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूरी की जानी है। आरक्षण रोस्टर के अनुसार पदों का विभाजन भी किया गया है।सहायक ग्रेड तीन, कंप्यूटर आपरेटर व प्रोसेस राइटर के 80 पदों पर भर्ती होनी है। इसमें अनारक्षित श्रेणी में 18 पद मुक्त, महिला के लिए 10, दिव्यांग के तीन, उत्कृष्ट खिलाड़ी के लिए एक व भूतपूर्व सैनिक के लिए चार पद आरक्षित है। अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी में चार पद मुक्त, महिला के एक पद व भूतपूर्व सैनिक के लिए एक पद आरक्षित रहेगा।

ट्रांसपोर्टर ने किराए पर टैंकर लेकर किया 13 लाख का गबन

भिलाई। किराए पर टैंकर लेकर राशि हजम करने वाले एक ट्रांसपोर्टर के खिलाफ वैशाली नगर पुलिस ने धोखाधड़ी और अमानत में खयानत की धाराओं के तहत एफआईआर की है। आरोपी ने हिंदुस्तान पेट्रोलियन कॉर्पोरेशन लिमिटेड कंपनी के ईंधन परिवहन का ठेका लिया था। उसके लिए पीड़ित ट्रांसपोर्टर के तीन टैंकर किराए पर लिए थे। आरोपी ने कमीशन रखने के बाद बाकी के रुपये पीड़ित ट्रांसपोर्टर को देने का वादा किया था लेकिन वह पूरी रकम हजम कर गया। इसके बाद पीड़ित ट्रांसपोर्टर ने आरोपी के खिलाफ वैशाली नगर थाना में शिकायत की। वैशालीनगर टीआई प्रदीप शोरी ने बताया कि जूनियर एमआइजी वैशाली नगर निवासी शिकायतकर्ता हेमंत कुमार सोनी पेशे से ट्रांसपोर्टर है। उसने न्यू खुर्सीपार निवासी आरोपी चंदन यादव के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने बताया कि 7 जनवरी 2021 को एचपीसीएल द्वारा लोडिंग के लिए निविदा निकाली थी। इसमें चंदन सिंह यादव भाग लेना चाहता था, लेकिन उसके पास लोडिंग के लिए ट्रक टैंकर नहीं था।

बालको में फिर टूटा सूने घर का ताला, जेवर गायब

कोरबा। बालको थाना पुलिस रेलवे अफसर के घर हुई चोरी का मामला अभी सुलझा भी नहीं पाई कि चोरों ने एक और मकान में धावा बोल दिया। सूने मकान का ताला तोड़कर चोरों ने घर में रखी स्कूटी समेत जेवरात चोरी कर लिए। घटना की जानकारी पड़ोसियों ने परिवार को दी। उनके लौटने के बाद चोरी किए गए सामान का खुलासा होगा। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। बालको थाना अंतर्गत साईं चौक के पास भद्रपारा में अभिषेक अनंत का मकान स्थित है। वह रायपुर में रहते हैं, जबकि उनके भद्रपारा स्थिति मकान में मां और बहन रहती है। बीते कुछ दिनों से मां बेटी बाहर गए हुए हैं। उनके घर में ताला लगा हुआ था। सुबह पड़ोसी घर से बाहर निकले तो अभिषेक के मकान का दरवाजा खुला मिला। जिसकी जानकारी पड़ोसियों ने अभिषेक के दोस्त विशाल चौहान को दी। उसने वीडियो कॉलिंग कर अभिषेक को मकान में चोरी होने की जानकारी दी। साथ ही मामले से पुलिस को अवगत कराया। चोर घर के बाहर रखी स्कूटी सहित अलमारी में रखे जेवरात और नगदी लेकर गए हैं।

खतरे में बस्तर के 2500 अतिथि शिक्षकों की नौकरी

■ भूपेश सरकार से जॉब सिक्योरिटी की मांग

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहा है। वैसे-वैसे छत्तीसगढ़ के कर्मचारियों की चिंता बढ़ रही है। हाल ही में स्वास्थ्य कर्मचारी-अधिकारियों को सरकार ने बर्खास्त कर दिया था। बर्खास्तगी का डर बस्तर के अतिथि शिक्षकों को भी है। इसे लेकर सोमवार को अतिथि शिक्षकों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से अपने नौकरी के सुरक्षा की मांग की है। दरअसल, बस्तर संभाग में डीएमएफटी फंड से अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति 2014-15 में की गई थी। ये अतिथि शिक्षक बस्तर संभाग के अंदरूनी इलाकों में अतिथि शिक्षक, ट्यूटर, शिक्षक सेवक, शिक्षा मितान के तौर पर पदस्थ हैं। ये सभी स्थानीय बोली की

जानकारी रखते हैं। इससे बच्चों को पढ़ने में इन्हें आसानी हो जाती है। साथ ही बच्चे भी रुचि लेकर पढ़ते हैं, चीजों को समझते और सीखते हैं। इसके अलावा नए शैक्षणिक सत्र में स्थानीय भाषा हल्बी, गोंडी, भतरी, छत्तीसगढ़ी में पाठ्यक्रम तैयार किया जा रहा है। इसमें स्थानीय बोली की जानकारी होना जरूरी है।

इस माह के बाद खत्म कर दी जाएगी सेवा- बस्तर के अतिथि शिक्षकों को कलेक्टर की ओर से अल्टीमेटम मिला है कि सितंबर माह के बाद इसकी सेवा खत्म कर दी जाएगी। ऐसे में इनके सामने रोजी-रोटी की समस्या खड़ी हो गई है। इसे लेकर अतिथि शिक्षकों ने अपनी नौकरी की सुरक्षा के लिए बघेल सरकार से मांग की है। इस बारे में अतिथि शिक्षक बस्तर संभाग अध्यक्ष गोपाल सरकार ने कहा कि साल 2014 से बहुत ही कम मानदेय में बस्तर के अंदरूनी व बीहड़ इलाके में निरंतर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। अभी छत्तीसगढ़ में शिक्षकों की नई भर्तियां भी शुरू हो गई है। जैसे ही भर्ती शुरू होगी सभी अतिथि शिक्षक एकाएक बाहर हो जाएंगे। इसलिए हम अतिथि शिक्षकों को जॉब सुरक्षा चाहिए।

प्रदर्शन की दी चेतावनी- बता दें, बस्तर संभाग के कुल 2500 अतिथि शिक्षकों ने बघेल सरकार से अपने जॉब सुरक्षा की मांग की है। इसके अलावा बस्तर में प्रभावित हुए अतिथि शिक्षकों की बहाली करने की भी मांग की है। फिलहाल बस्तर संभाग में 2500 अतिथि शिक्षक अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इनमें 621 अतिथि शिक्षक प्रभावित हैं। अपनी मांग को अतिथि शिक्षकों ने छत्तीसगढ़ सरकार के सामने रखा है। अतिथि शिक्षकों ने 10 दिनों के भीतर अपनी मांगें पूरी करने की मांग सरकार से की है। मांग पूरी न होने पर वे सांसद निवास का घेराव करेंगे। साथ ही नेशनल हाईवे 30 कुम्हडाकोट में चक्का जाम कर बघेल सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे।

मुख्यमंत्री ने नगरी-सिहावा के मुकुंदपुर में राम वन गमन पर्यटन परिपथ के निर्माण कार्यों का किया लोकार्पण

नगरी। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज नगरी-सिहावा के मुकुंदपुर में आयोजित समारोह में राम वन गमन पर्यटन परिपथ के तहत भगवान श्रीराम की भव्य मूर्ति और विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया। नगरी के मुकुंदपुर में 8 करोड़ 29 लाख रूपए की लागत से भगवान श्रीराम जी की प्रतिमा, श्री राम वाटिका, दीप स्तंभ, एलइडी ब्राडिंग, सप्तऋषि की मूर्तियां, प्रवेश द्वार, 01 कॉटेज, पार्किंग, एप्रोच रोड, पर्यटक सूचना केन्द्र, कलवर्ट निर्माण, कॉटेज निर्माण, लॉन डव्हलपमेंट, सीसीटीवी, यज्ञशाला, जनसुविधा केन्द्र, ड्रेन, विद्युतीकरण, ओव्हरहेड वॉटर टैंक, स्टेयर्स, सीढ़ी निर्माण, मॉडयूलर शॉपं, सप्तऋषि स्थल का विकास, साइनेजेस, गजीबो, बाउण्ड्रीवॉल, साइट डव्हलपमेंट, गार्ड रूम का निर्माण किया गया है।

वही श्रृंगी ऋषि आश्रम सिहावा में करटेन वॉल (म्यूरल के साथ), प्रवेश द्वार, रेलिंग एवं शेड निर्माण, गजिबो, सौदर्यीकरण, विद्युतीकरण, यज्ञशाला (पहाड़ी पर), इंटरनल प्लम्बिंग, श्रृंगी ऋषि आश्रम में स्थित हनुमान मंदिर का सौंदर्यीकरण, पाथवे का विकास, जनसुविधा केन्द्र सहित विभिन्न अधोसंरचना विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर गृहमंत्री श्री ताम्रध्वज साहू, राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष महंत रामसुंदर दास, सिहावा विधायक और मध्यक्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष डॉ लक्ष्मी ध्रुव, उपाध्यक्ष राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग की उपाध्यक्ष सुश्री राजकुमारी दीवान, श्री जितेंद्र शुक्ला, प्रबंध संचालक, छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड, कलेक्टर श्री ऋचुराज रघुवंशी, पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत ठाकुर स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

दंतेवाड़ा और जशपुर के लिए रवाना हुई भाजपा की परिवर्तन रथ यात्रा

■ माथुर ने कहा- 90 सीटों का टारगेट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। 10 को दंतेवाड़ा और 16 सितंबर को जशपुर से शुरू होने वाली बीजेपी की परिवर्तन यात्रा के लिए आज रायपुर से रथ रवाना हुआ। इस दौरान बीजेपी प्रदेश प्रभारी ओम माथुर ने प्रदेश बीजेपी कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर डूमरतराई से मंत्रोच्चारण के बीच रथ की विधिवत पूजा अर्चना कर रवाना किया। प्रदेश प्रभारी माथुर, भाजपा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जाम्वाल, संगठन महामंत्री पवन साय समेत बीजेपी के सीनियर नेताओं ने रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

माथुर ने इस दौरान मीडिया से चर्चा में कहा कि भाजपा 90 के 90 सीटों को टारगेट करके अपना चुनावी प्रचार-प्रसार कार्यक्रम शुरू कर दिया है। 12 और सितंबर को दो परिवर्तन यात्रा निकलेगी। 12 तारीख को दंतेवाड़ा से और 16 तारीख को जशपुर से ये यात्रा निकलेगी। परिवर्तन यात्रा जन जागरण के लिए, केंद्रीय योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए, जन-जन तक पहुंचने के लिए, लाभार्थियों के सम्मेलन करने के लिए और राज्य सरकार के भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए निकाली जा रही है। निश्चित रूप से ये परिवर्तन यात्रा छत्तीसगढ़ में एक नया इतिहास रचेगी।

दंतेवाड़ा से गीदम तक परिवर्तन यात्रा में बीजेपी नेता रथ में ही सफर करेंगे। रथ पूरी तरह से हाईटेक सुविधाओं से लैस है। रथ के साथ एलईडी स्क्रीन वाले प्रचार वाहन भी तैयार किए गए हैं। परिवर्तन यात्रा के दौरान बीजेपी कांग्रेस सरकार के खिलाफ आरोप पत्र भी घुमाने का निर्णय लिया है। यानी कि 108 पेज का आरोप पत्र का सारांश पत्रक भी लोगों को बांटा जाएगा।

पहली परिवर्तन यात्रा 12 सितंबर को

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी प्रदेश में दो परिवर्तन यात्रा निकालेगी। भाजपा परिवर्तन यात्रा की शुरुआत 12 सितंबर को दंतेवाड़ा से करेगी। 16 सितंबर को जशपुरनगर से दूसरी परिवर्तन यात्रा निकलेगी। 12 सितंबर को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पहली परिवर्तन यात्रा की शुरुआत करेंगे। वहीं दूसरी यात्रा की शुरुआत बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा दंतेवाड़ा से करेंगे। यात्रा के समापन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे। दंतेवाड़ा से शुरू होने वाली पहली यात्रा को मां दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना के साथ केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह हरी झंडी दिखाएंगे। दूसरी ओर जशपुरनगर से शुरू होने वाली यात्रा को कोरवा आराध्य देवी खुड़ियारानी की पूजा-अर्चना करके भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगतप्रकाश नड्डा हरी झंडी दिखाएंगे।

दूसरी यात्रा 16 सितंबर को जशपुरनगर से

दूसरी यात्रा 16 सितंबर को जशपुरनगर से शुरू होगी। 12 दिन में दो संभागों के 14 जिलों के 39 विधानसभा क्षेत्र तक पहुंचकर 1,261 किमी का सफर तय करेगी। इस दौरान 39 आमसभाएं, 53 स्वागत सभाएं और रोड शो होंगे। इसके संयोजक मोतीलाल साहू, सांसद गुहाराम अजगले, और प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंहदेव होंगे।

16 दिन में 1 हजार 728 किलोमीटर का सफर

इस संबंध में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने बताया कि पहली यात्रा दंतेवाड़ा से बिलासपुर तक 16 दिन में 1 हजार 728 किलोमीटर का सफर तय करेगी। तीन संभागों के 21 जिलों तक पहुंचेगी। यात्रा के दौरान 45 आमसभाएं, 32 स्वागत सभाएं और पांच रोड शो होंगे। इसके संयोजक विधायक शिवरतन शर्मा व पूर्व मंत्री महेश गागड़ा होंगे। उनके साथ सहयोगी के रूप में निरंजन सिंहा और सचिन बघेल रहेंगे।

समापन पर दोबारा आएंगे प्रधानमंत्री मोदी

साव ने बताया कि यात्राओं का समापन 28 सितंबर को होगा। इस समापन यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होंगे। पहली यात्रा का नेतृत्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष साव खुद करेंगे। दूसरी यात्रा का नेतृत्व छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल करेंगे। दोनों यात्राएं 87 विधानसभा क्षेत्रों की 2 हजार 989 किमी की यात्रा तय करेंगी। अरुण साव ने कांग्रेस सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा की ये परिवर्तन यात्रा छत्तीसगढ़ में भ्रष्ट भूपेश सरकार की पोल खोलने का काम करेगी। बीजेपी ने जो यात्रा का रोडमैप बनाया है, उसके तहत यात्रा प्रतिदिन तीन विधानसभा के दौरे पर रहेगी। इसमें हर दिन एक बड़ी सभा का आयोजन किया जाएगा। यात्रा के दौरान प्रतिदिन छह स्वागत सभा, तीन छोटी सभा का आयोजन किया जाएगा।

रथ में लगे पोस्टर में पीएम नरेंद्र मोदी, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, केन्द्रीय मंत्री रेणुका सिंह, सांसद सरोज पांडेय, लता उसेंडी की फोटो लगी है। वहीं रथ के पोस्टर में पहली बार छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र को प्रमुखता से जगह दी गई है।

भाजपा की प्रदेशव्यापी परिवर्तन यात्रा पर निकलने वाला रथ सज-धज कर तैयार हो गया है। बीजेपी नेता महेश गागड़ा ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार को उखाड़ फेंकने रथ यात्रा सजकर तैयार है। जन भावनाओं को विस्तार देने के लिए भाजपा परिवर्तन का शंखनाद करते हुए समृद्ध छत्तीसगढ़ का संकल्प लेकर यात्रा पर निकल रही है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा की परिवर्तन यात्रा के प्रति जनता में जबर्दस्त उत्साह दिख रहा है। परिवर्तन यात्रा के रथ आकर्षक का केंद्र होंगे। दोनों यात्राओं के रथ आधुनिक सुरक्षा उपकरणों से लैस हैं। रथ की छत पर मंच की व्यवस्था की गई है। इस मंच पर पहुंचने के लिए स्वचालित सीढ़ी की व्यवस्था की गई है।

संक्षिप्त समाचार

14 को रायगढ़ आएंगे प्रधानमंत्री मोदी मंडाविया ने लिया तैयारियों का जायजा

रायपुर। छत्तीसगढ़ की औद्योगिक नगरी रायगढ़ में 14 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई योजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण करने के लिए पहुंच रहे है। पीएम की आमसभा जिला मुख्यालय से 14 किलोमीटर दूर स्थित कोड़ातराई हवाई पट्टी में होगी जिसकी तैयारियों का केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरूण साव सोमवार को जायजा लिया और उच्च अधिकारियों को निर्देश दिए। पत्रकारों से बातचीत करते हुए मनसुख मंडाविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 14 सितंबर को रायगढ़ दौरे पर आने वाले हैं और इस दौरान वे छत्तीसगढ़ के लिये कई योजनाओं का शिलान्यास करेंगे और कई परियोजनाओं का लोकार्पण भी करेंगे। इस दौरान बड़ी संख्या में यहां लोग जुटेंगे, जिसकी तैयारियां की जा रही है। जिस तरह से यहां उत्साह का वातावरण है उसे देखते हुए यहां के गरीब, आदिवासी भाईयों, बहनों महिलाएं, दलित, किसान, सभी के लिये प्रधानमंत्री ने भारत सरकार के द्वारा जो कार्य किये है उसका लाभ जनता को मिला है। इसलिये जनता प्रधानमंत्री को दिल से चाहती है और प्रधानमंत्री पर भरोसा जताती है। जिस तरह से यहां व्यवस्था बनी हुई है उससे देखते हुए जनता स्वयं इस कार्यक्रम में आने के लिये उत्सुक है।

प्रदेश में 14 को बंद रहेंगे प्राइवेट स्कूल 250 करोड़ रोकने पर संगठन नाराज

रायपुर। चुनावी समय में छत्तीसगढ़ के सभी संगठन अपनी मांगों को लेकर एकजुट हो गए हैं। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिशन ने राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने के लिए बिगुल फूंक दिया है। रायपुर में विरोध प्रदर्शन करने की तैयारी में है। दरअसल, छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेश के प्राइवेट स्कूल संचालकों के 250 करोड़ रुपए रोक दिया है। इसे लेकर एसोसिएशन बेहद नाराज है। सरकार के इस निर्णय के खिलाफ एसोसिएशन 14 सितंबर को प्रदेशभर के निजी स्कूलों को बंद रखेंगे। प्रदेशभर के निजी स्कूलों में 14 सितंबर को तालाबंदी कर जंगी प्रदर्शन की तैयारी है।

भाजपा की परिवर्तन यात्रा से नहीं पड़ेगा कोई फर्क : बैज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। आगामी 12 सितंबर को बीजेपी बस्तर के दंतेवाड़ा से परिवर्तन यात्रा का आगाज करके चुनावी शंखनाद करेगी। इस यात्रा को गृहमंत्री अमित शाह हरी झंडी दिखाएंगे। बताया जा रहा है कि जिस जगह पर बीजेपी को पिछले चुनाव में मुंह की खानी पड़ी थी,वो अबकी बार उसी जगह से दोगुनी ताकत के साथ चुनावी आगाज करने जा रही है। बस्तर के नक्सल प्रभावित क्षेत्र की तीन सीटों को छोड़कर बीजेपी बाकी सीटों में परिवर्तन यात्रा लेकर जाएगी। लेकिन इस यात्रा को लेकर अब कांग्रेस ने बीजेपी पर बड़ा हमला बोला है। परिवर्तन यात्रा से पहले पीसीसी चीफ और बस्तर सांसद दीपक बैज ने अमित शाह से 8 सवालों के जवाब मांगे हैं।

गृहमंत्री से पूछे आठ सवाल - पीसीसी चीफ दीपक बैज ने आगामी 12 सितंबर को दंतेवाड़ा से शुरु होने वाली बीजेपी की परिवर्तन यात्रा से पहले गृहमंत्री अमित शाह से सवाल पूछे। अपने आठ सवालों में दीपक बैज ने बताया छत्तीसगढ़ में रमन से 15 साल और केंद्र में बीजेपी की सरकार होने के बाद भी बस्तर के कैसे हालात थे।उन्हीं हालातों को लेकर अमित शाह से आठ सवाल पूछे जा रहे हैं। बस्तर की जनता की ओर से बस्तर के सभी मंत्री, विधायक और सभी जनप्रतिनिधि अमित शाह से सवाल पूछ रहे हैं। क्या भारतीय जनता पार्टी इन सवालों का जवाब देगी। इसके अलावा दीपक बैज ने परिवर्तन यात्रा पर कहा कि यदि भारतीय जनता पार्टी दंतेवाड़ा से परिवर्तन यात्रा की शुरुआत कर रही है। तो क्या यह परिवर्तन यात्रा की झीरम घाट में पहुंचेगी। दीपक बैज ने कहा झीरम में परिवर्तन यात्रा के दौरान शहीद हुए शहीदों और भूमि को नमन करके निकाला जाएगा। बीजेपी की परिवर्तन यात्रा से छत्तीसगढ़ और बस्तर को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। परिवर्तन यात्रा करके बीजेपी ढोंग और नौटंकी कर रही है।

कांग्रेस ने बीजेपी से पूछे आठ सवाल- आरक्षण विधेयक कब तक लंबित होगा? नगरनार प्लांट क्यों बेच रहे? नंदराज पहाड़ की लीज केंद्र रद्द क्यों कर रहा? एनएमडीसी का मुख्यालय बस्तर में क्यों नहीं आ रहा? दल्ली-राजहरा जगदलपुर रेल लाइन क्यों शुरू नहीं हो रही? भारतमाला परियोजना रोड को जगदलपुर से क्यों नहीं जोड़ा जा रहा? मोदी सरकार ने 2006 के वन अधिकार अधिनियम में संशोधन क्यों किया? बस्तर की जनता से अमित शाह माफी मांगे?

देश में बनेगी इंडिया गठबंधन की सरकार : दीपक बैज

राहुल गांधी बनेंगे प्रधानमंत्री

महासमुंद। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज रविवार को बागबाहरा ब्लॉक के प्रवास पर रहे। पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने कृषि उपज मंडी बागबाहरा में आयोजित विधानसभा स्तरीय संकल्प शिविर में शिरकत की। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं को उत्साहित किया। इस दौरान उन्होंने मीडिया से भी चर्चा की।

मीडिया द्वारा पूछे गए सवाल वायरल हो रहे सिंगल पैनल के नाम पर दीपक बैज ने कहा कि यह हमारी सूची नहीं है। कांग्रेस कमेटी प्रत्याशियों की जो सूची जारी करेगी, वही फाइनल होगा। उन्होंने वन नेशन वन चुनाव के सवाल पर जवाब देते हुए कहा कि केंद्र की मोदी सरकार इंडिया के गठबंधन से घबरा गई है, इसलिए ऐसी बातें कर रही है। फिर भी हम तैयार है। कांग्रेस और पूरी गठबंधन की पार्टी तैयार है। कल ही चुनाव कर लें, हम पूरी तरह से तैयार हैं। लेकिन आने वाले समय में देश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी और उसके राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनेंगे।

उन्होंने मीडिया के जी20 को लेकर पूछे गए सवाल पर जवाब देते हुए कहा कि विपक्ष के नेताओं और मुख्यमंत्री को केंद्र सरकार ने आमंत्रित नहीं किया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान सामने आने के बाद केंद्र सरकार जागी और मुख्यमंत्री को बुलाया गया। उन्होंने कहा कि जी-20 का सम्मेलन हुआ। शायद देश के लिए अच्छी बातें निकलकर सामने आएं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि केंद्र में बैठी मोदी सरकार के चलते जी-20 का कुछ फायदा देश को होगा। क्योंकि देश में बेरोजगारी और महंगाई अपने चरम पर है।

विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने कई समितियों का किया गठन

■ महंत को चुनाव अभियान समिति की जिम्मेदारी

रायपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 के लिए विभिन्न कमेटियों के गठन को मंजूरी दे दी है। कांग्रेस मुख्यालय ने समितियों और उनके सदस्यों की सूची भी जारी कर दी है। इनमें कोर कमेटी, चुनाव अभियान समिति, संचार और प्रोटोकॉल कमेटी शामिल हैं। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ चुनाव के लिए कोर कमेटी बनाई है। कांग्रेस कोर कमेटी की प्रमुख छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी कुमारी शैलजा होंगी। इस कमेटी में कुल सात सदस्य हैं। जिनमें मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पीसीसी प्रमुख दीपक बैज, डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव, विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत, गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, डॉ शिव कुमार डहरिया शामिल हैं।

कांग्रेस मुख्यालय की ओर से जारी सूची के अनुसार, कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ में डॉ चरण दास महंत को चुनाव अभियान समिति का प्रमुख बनाया है। इसके साथ ही चुनाव अभियान समिति में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल समेत सभी मंत्रीयों और कद्दावर नेताओं को भी शामिल किया गया है। कांग्रेस पार्टी ने छत्तीसगढ़ चुनाव के लिए अमरजीत भगत को प्रोटोकॉल समिति का प्रमुख बनाया है। वहीं संचार समिति की जिम्मेदारी रविंद्र चौबे को दी गई है। सुशील आनंद शुक्ला अब कांग्रेस संचार समिति के समन्वयक का जिम्मा संभालेंगे।

एक नवंबर से प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान खरीदेगी सरकार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इस साल राज्य सरकार प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान खरीदेगी। सरकार ने इस साल किसानों से 125 लाख मीट्रिक टन धान खरीदने लक्ष्य रखा है। प्रदेश में समर्थन मूल्य पर एक नवंबर से धान और मक्का खरीदी शुरू होगी। एक नवंबर से 31 जनवरी 2024 तक धान खरीदी की जाएगी। वहीं मक्का की 28 फरवरी 2024 तक खरीदी की जाएगी। इस साल धान खरीदी के लिए बायोमेट्रिक व्यवस्था की गई है। खाद्य मंत्री अमरजीत भगत की अध्यक्षता में धान खरीदी और कस्टममीलिंग नीति की समीक्षा कर सुझाव देने के लिए गठित मंत्रि-मंडलीय उप समिति की बैठक हुई। मंत्री अमरजीत भगत ने बताया कि छत्तीसगढ़ में इस साल बायोमेट्रिक आधारित धान खरीदी व्यवस्था की गई है। अभी तक प्रदेश के लगभग 5 लाख किसानों के पंजीयन का काम पूरा हुआ है। बाकी किसानों को पंजीयन का काम पूरा करने की अपील की गई है।

बैठक में जानकारी दी गई कि केंद्र सरकार की ओर से औसत अच्छी किस्म के धान और मक्का के लिए निर्धारित समर्थन मूल्य पर खरीदी की जाएगी। धान कामन के लिए निर्धारित समर्थन मूल्य 2183 रुपए प्रति क्विंटल और ग्रेड-ए धान के लिए 2203 रुपए प्रति क्विंटल के मान से धान खरीदी की जाएगी। इसी तरह मक्का प्रति क्विंटल 2090 रुपए के भाव से खरीदी की जाएगी।

मंत्रिमंडल उपसमिति की बैठक में प्रदेश में किसानों के धान विक्रय में सहुलियत को ध्यान में रखते हुए उपार्जनों केन्द्रों की संख्या लगातार वृद्धि की जा रही है। किसानों की मांग को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष और भी कुछ धान उपार्जन केंद्र खुलेंगे। वर्तमान में 2617 धान उपार्जन केंद्र खोले गए हैं।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभागजगदलपुरजिलाबस्तर
मैनुअलनिविदा सूचना

दूरभाष नम्बर-07782-222865 ई-मेलआईडी-eeresjagdalpur@gmail.com
क्रमांक/3325/व.ले.लि./ग्रायांसेवा/2023-24 जगदलपुर, दिनांक 06/09/2023

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्यों हेतु प्रथम बार मुहरबंद मेन्युअल निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रुपये लाख में)	निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4
1	उच्च प्राथमिक शाला भवन का निर्माण राजपुर विकास खण्ड बस्तर	19.04	22.09.2023

2. उपरोक्त निर्माण कार्यों के निविदा की सम्बधी शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी विभागीय वेब साइट res.cg.gov.in से भी दिनांक 15.09.2023 के पश्चात डाउनलोड की जा सकती है।

(डी.पी. देवांगन)
कार्यपालन अभियंता,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा,
संभाग जगदलपुर

जी-5133/3

सरगुजा संभाग की 14 सीटों का चुनावी गणित, 2018 में कांग्रेस ने सभी सीटों पर मारी बाजी

सरगुजा। सरगुजा संभाग छत्तीसगढ़ के उत्तर पूर्व में आदिवासी बहुल संभाग है। इस संभाग में 6 जिले आते हैं। सरगुजा, मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर, कोरिया, बलरामपुर, सूरजपुर, जशपुर। जहां की ज्यादातर आबादी आदिवासी है। इन्हीं आदिवासी वोटर्स को साधने की कोशिश में कांग्रेस और बीजेपी दोनों है। दोनों ही पार्टियां आदिवासी हितैषी का दावा करते हुए आने वाले विधानसभा चुनावों के लिए वोट मांग रही है।

सरगुजा की 14 सीटों पर कांग्रेस का कब्जा- छत्तीसगढ़ विधानसभा की 90 सीटों में सरगुजा संभाग की 14 सीटें काफी अहम है। यहां की 14 में से 9 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने सरगुजा संभाग की सभी 14 सीटों पर कब्जा कर लिया। जबकि 2013 के विधानसभा चुनावों में 7 सीटों पर भाजपा का कब्जा था और 7 सीटों पर कांग्रेस थी। यानी 2018 के चुनाव में भाजपा को यहां काफी नुकसान हुआ।

2018 में भाजपा को 7 सीटों पर मिली हार- छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2018 में भाजपा को जिन 7 सीटों पर मुंह की खानी पड़ी उनमें से 5 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित थी। ये सीटें भरतपुर सोनहत, जशपुर, कुनकुरी, पत्थलगांव, प्रतापपुर हैं। दो सामान्य सीटें मनेंद्रगढ़ और बैकुंठपुर में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा।

सरगुजा संभाग की सीटों का समीकरण

अंबिकापुर विधानसभा सीट- साल 1952 में हुए पहले विधानसभा चुनाव से अंबिकापुर विधानसभा सीट अस्तित्व में आई। अंबिकापुर विधानसभा सीट हाईप्रोफाइल सीट रही है। यहां से वर्तमान विधायक डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव हैं। टीएस सिंहदेव के पूर्वज भी इसी सीट से इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते आए हैं। इस सीट से कुल 2 लाख 45 हजार 158 मतदाता हैं। करीब 50 प्रतिशत आबादी यहां एसटी वर्ग की है, जिनमें उरांव, कंवर और गोंड समाज की अधिकता है। रोजगार का प्रमुख साधन कृषि है।

लुंड्रा विधानसभा सीट- अंबिकापुर, लखनपुर और सीतापुर विधानसभा के हिस्सों को काटकर लुंड्रा विधानसभा क्षेत्र बनाया गया। कांग्रेस के प्रीतम राम यहां से विधायक हैं। लुंड्रा विधानसभा में वोटर्स की संख्या 1 लाख 88 हजार 717 हैं। जिनमें से लगभग 78 प्रतिशत जनसंख्या एसटी वर्ग है। इनमें भी गोंड और कंवर समाज के मतदाता ज्यादा है। इसके अलावा उरांव और यादव समाज के मतदाता भी जीत हार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मूलभत सुविधाओं की कमी बनी हुई है।

प्रतापपुर विधानसभा सीट- प्रतापपुर सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीट है। छत्तीसगढ़ सरकार में पूर्व मंत्री प्रेमसाय सिंह टेकाम प्रतापपुर सीट से विधायक हैं। इस सीट पर कुल 108325 मतदाता है। जिनमें अनुसूचित जनजाति की संख्या लगभग 60 फीसदी है। इसमें गोंड समाज की संख्या 40 प्रतिशत है। 30 से 35 फीसदी आबादी ओबीसी और सामान्य वर्ग से हैं। अलग जिला बनाने की मांग, हाथियों का उत्पात यहां की प्रमुख समस्या है। 2013 के विधानसभा चुनाव में भाजपा का कब्जा था लेकिन 2018 में हार मिली।

सीतापुर विधानसभा सीट- सीतापुर विधानसभा सीट भी अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीट है। यहां से भाजपा का कभी खाता नहीं खुल पाया है। वर्तमान में अमरजीत भगत यहां से कांग्रेस के विधायक और सरकार में मंत्री हैं। यहां धर्मांतरण बड़ी संख्या में हुआ हैं। उरांव समाज के ज्यादातर लोग क्रिश्चियन कम्यूनिटी को मानते हैं। कंवर और गोंड समाज भी चुनाव में मुख्य भूमिका निभाता है। यहां कुल 194541 मतदाता है। रेल कनेक्टिविटी प्रमुख मांग है। रोजगार का प्रमुख साधन कृषि है। बतौली ब्लॉक में एल्यूमिनियम प्लांट प्रस्तावित है लेकिन ग्रामीण इसके विरोध में लगे हुए हैं।

सामरी विधानसभा सीट- सामरी सीट अविभाजित मध्यप्रदेश में भी थी। अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित इस सीट पर चिंतामणि महाराज कांग्रेस के विधायक हैं। वन संपदा से भरपूर इस सीट की जनता हमेशा से ही मूलभूत सुविधाओं को तरसती रही है। नक्सल प्रभावित इस क्षेत्र में कुल 197591 वोटर्स है। करीब 65 फीसदी आबादी अनुसूचित जनजाति है। इनमें गोंड, कंवर, उरांव और खैरवार जनजाति के लोग हैं। 25-30 प्रतिशत लोग ओबीसी और सामान्य श्रेणी के हैं। नक्सल, हाथी, सड़क, स्वास्थ्य की सुविधाओं की कमी है।

रामानुजगंज विधानसभा सीट- रामानुजगंज विधानसभा बलरामपुर जिले में आती है। अविभाजित मध्यप्रदेश में इसे पाल विधानसभा के नाम से जाना जाता था। ये सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। इस सीट से बृहस्पति सिंह कांग्रेस के विधायक है लेकिन अक्सर वे अपने बयानों को लेकर विवादों में रहते हैं। यहां मतदाताओं की संख्या 188650 है। वनांचल क्षेत्र होने के कारण यहां की ज्यादातर आबादी गांवों में रहती है। स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, पहुंचविहीन गांव, हाथी समस्या प्रमुख है। साफ पीने के पानी की भी बड़ी समस्या है।

प्रेमनगर विधानसभा सीट- सूरजपुर जिले की प्रेमनगर सीट सामान्य सीट है। इसी विधानसभा से रेणुका सिंह केंद्रीय मंत्री हैं। वर्तमान में कांग्रेस के खेलसाय सिंह यहां से विधायक हैं। सामान्य सीट होने के बावजूद कोई भी पार्टी यहां से किसी सामान्य जाति के उम्मीदवार को टिकट नहीं देती है। इस सीट पर 226600 वोटर्स है। लगभग 60 प्रतिशत आबादी ओबीसी और सामान्य है। 35 से 40 फीसदी लोग अनुसूचित जनजाति के हैं। भालू यहां का सबसे बड़ी समस्या है।

भंटगांव विधानसभा सीट- सूरजपुर जिले की दूसरी अनारक्षित सीट है। भटगांव विधानसभा से पारसनाथ राजवाड़े विधायक हैं। यहां कुल 221964 मतदाता है। यहां राजवाड़े समाज की 30 प्रतिशत आबादी है। 70 प्रतिशत आबादी ओबीसी और जनरल वर्ग से हैं। गोंड, कवर, पंडो, चेरवा, पहाड़ी कोरवा समाज के लोग भी ज्यादा है। चारों तरफ जंगल से घिरा रहने के कारण हाथियों की बड़ी समस्या है। विकास की कमी है।

पत्थलगांव विधानसभा सीट- पत्थलगांव विधानसभा सीट जशपुर जिले में आती है। अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित इस सीट से रामपुकार सिंह कांग्रेस के विधायक है।

11

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कायालय मख्य अभियंता
महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)
इ-प्रोक्यरमंट निविदा सचना

eProcurement Portal:https://eproc.cgstate.gov.in

(चतथ आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 146944/निविदा सूचना क्र. 28/वलेलि/2023-24 बालोद दिनांक 08.09.2023

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 25.09.2023 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का नाम- बालोद जिले के विकासखण्ड डौण्डी की भर्रीटोला व्यपवर्तन योजना के मुख्य नहर के आर.डी.0 से आर.डी. 5825 मी. तक रिमाडलिंग एवं लाईनिंग कार्य, 06 नग पूर्व निर्मित पक्के कार्यों का मरम्मत 10 नग नये पक्के कार्यों का निर्माण एवं 18 नग कोलाबा लगाने का कार्य।

अनुमानित लागत- रू. 235.91 लाख

(दिनांक 01.08.2010 के एस.ओ.आर. तथा संशोधित 01.08.2014 के अनुसार)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 15.09.2023 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते हैं।

नोट: निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/ पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, बालोद
कृत मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार,
जल संसाधन विभाग, रायपुर छ.ग.

जी-05151/9

चीन की चाल रोकी दुनिया में बढ़ाया मान

रंजीत कुमार

जी20 की नई दिल्ली में हुई 18वीं शिखर बैठक में आर्थिक सहयोग, खाद्य व ऊर्जा सुरक्षा, जीवनयापन की समस्याओं से निपटने और सहयोग बढ़ाने से जुड़े कई मुद्दों पर सहमति हासिल कर 64 पैरा की संयुक्त विज्ञप्ति जारी करने में कामयाबी मिली है। इस तरह भारत ने जी20 को अपने लक्ष्य हासिल करने की दिशा में फिर से पटरी पर लाने में अहम योगदान किया है। लेकिन भारत के कूटनीतिक नजरिए से देखा जाए तो कई और बड़ी कामयाबियां हाथ लगी हैं। ये ऐसी कामयाबियां हैं, जिन पर भारतीय राजनयिक सार्वजनिक चर्चा नहीं करना चाहते, लेकिन दबी जुबान से इन्हीं स्वीकार करते हैं। जी20 पर हावी होने की चीन की कोशिशों को नाकाम करने और उसे अलग-थलग करने में भारत ने जो कामयाबी पाई है, वह जी20 के बहाने भारत को वैश्विक राजनीतिक पटल पर प्रमुखता से पेश करेगी। शिखर बैठक में भारत ने जी20 के साझा बयान पर अपनी छाप छोड़ने में कामयाबी पाई। इस बयान में भारत की चिंताएं प्रमुखता से उजागर हुई हैं। यही नहीं, इनसे निपटने के उपाय तक बताकर भारत ने सदस्य देशों को संदेश दिया है कि उन्हें साझा घोषणा में कही गई बातों पर ईमानदारी से अमल भी करना होगा। शिखर बैठक समाप्त होने के एक दिन पहले ही जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साझा बयान पर सहमति का ऐलान कर दिया, उससे सनसनी फैल गई। आम तौर पर किसी शिखर बैठक के समापन के बाद ही संयुक्त विज्ञप्ति जारी की जाती है, लेकिन मेजबान भारत ने इस परंपरा को तोड़कर सबको सुखद आश्चर्य में डाल दिया। जी20 का गठन मूल रूप से वैश्विक आर्थिक सहयोग के लिए नब्बे के दशक के अंत में किया गया था। इसकी पहली शिखर बैठक 2008 में वॉशिंगटन में हुई थी। इसी साल दुनिया एक गंभीर वित्तीय संकट के दौर से गुजरी, जिससे मिलकर निपटने का संकल्प लिया गया। लेकिन जी20 के आपसी सहयोग की भावना का दुरुपयोग करते हुए चीन ने दुनिया की सप्लाई चेन यानी औद्योगिक माल की आपूर्ति पर एकाधिकार स्थापित कर लिया। जी20 की 2008 में पहली औपचारिक शिखर बैठक के डेढ़ दशक बाद फिर से दुनिया पर शीतयुद्ध की छाया दिखने लगी है और आर्थिक सहयोग के मसलों पर राजनीति हावी होने लगी है। इसी पृष्ठभूमि में नई दिल्ली बैठक भारत की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिस पर शीतयुद्ध की छाया को मिटाने में भारत काफी हद तक कामयाब हुआ। जी20 का ताजा घोषणापत्र आर्थिक व सामरिक प्रभुत्व बनाने की रणनीति पर चलने वाले कुछ देशों के लिए मुनासिब संदेश भी देता है। इस दस्तावेज में सभी देशों से किसी भी देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का हनन नहीं करने और अपनी जमीनी व समुद्री सीमाओं के विस्तार की कोशिशों से बाज आने को भी कहा गया है। वसुधैव कुटुंबकम की अवधारणा को भारत जी20 के विकास मंत्र के तौर पर स्थापित करने में भी कामयाब हुआ। इसके अनुरूप एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य के मसलों पर भारत ने जी20 का अजेंडा तय किया। चीन को स्वाभाविक ही, यह नागवार गुजर रहा था क्योंकि वह भी अपने को ज्ञान देने वाली प्राचीन ताकत के तौर पर स्थापित करना चाहता है। इसी के तहत चीन ने अपने बेल्ट एंड रोड की योजना को साझा बयान में शामिल करवाने पर जोर दिया जिसका भारत सहित कई अन्य सदस्यों ने विरोध किया। चीन की इस मंशा के खिलाफ भारत के प्रयासों को जी20 में ताकत मिली। एक अहम उपलब्धि यह भी रही कि इसके बहाने विश्व राजनीतिक पटल पर भारतीय कूटनीति को जन-जन तक पहुंचाया जा सका।

मोदी का मैसेज बनाम राहुल का मैसेज

अजय सेतिया

जी-20 के मौके पर भारत से दो संदेश दिए जा रहे हैं। वसुधैव कुटुंबकम का एक मैसेज दिल्ली से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दे रहे हैं, तो भारत में दलितों के शोषण का एक मैसेज ब्रसेल्स से राहुल गांधी दे रहे हैं। दोनों परस्पर विरोधी संदेश हैं। मोदी दुनिया में भारत की वह छवि उभारना चाहते हैं, जो सदियों से भारत की छवि रही है कि हम पूरी दुनिया को एक परिवार मानते हैं। इसलिए यहां जो कोई भी आया, भारत के हिन्दुओं ने उसे गले लगाया। पारसी, यहूदी या मुस्लिम सब भारत में आकर बिना किसी रोक टोक के अपने धर्मानुसार पूजा पाठ करते रहे और आज भी करते हैं। लेकिन राहुल गांधी यह मैसेज दे रहे हैं कि भारत में हिन्दुओं के दलित समुदाय के साथ भेदभाव हो रहा है और स्वर्ण हिन्दू उनका शोषण कर रहे हैं। सिर्फ राहुल गांधी ही नहीं कांग्रेस के अन्य नेताओं ने भी यह कह कर देश के मैसेज को ही बदल दिया कि राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को राष्ट्रपति भवन में रात्रिभोज का निमंत्रण इसलिए नहीं दिया गया, क्योंकि वह दलित हैं। यह कह कर कांग्रेस ने वसुधैव कुटुंबकम के भारतीय मैसेज के चीथड़े उड़ा दिए। विदेशी मीडिया यह नहीं समझ पाएगा कि दलित और आदिवासी का वोट पाने के लिए कांग्रेस ने जिस राष्ट्रपति पर छींटाकशी की है, वह खुद आदिवासी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने कार्यकाल में दो राष्ट्रपति बनवाने का मौक़ा मिला, और उन्होंने एक दलित और एक आदिवासी राष्ट्रपति बनवाया। इससे पहले भाजपा की सरकार में अटल बिहारी वाजपेयी को राष्ट्रपति बनवाने का मौक़ा मिला, तो उन्होंने एक मुस्लिम को राष्ट्रपति बनवाया। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इन तीनों ही समुदायों को भाजपा सरकार के खिलाफ भड़काने का काम किया है। जी-20 के मौके पर भी उन्होंने भारत की बदनामी करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। यह संयोग ही है कि तमिलनाडू के मुख्यमंत्री स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन और राहुल गांधी का बयान जी-20 के मौके पर एक साथ आया है। दोनों बयानों में एकरूपता है। एकरूपता यह है कि दोनों बयानों के पीछे हिन्दुओं का जातिवाद है। उदयनिधि स्टालिन हिन्दुओं में जातिवाद की कुरूति को सनातन धर्म

के खिलाफ इस्तेमाल कर रहे हैं, और राहुल गांधी जातिवाद को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ इस्तेमाल कर रहे हैं।

इसमें तो कोई दो राय नहीं है कि हिन्दुओं में जातिवाद की कुरूति रही है। इस कुरूति के खिलाफ हिन्दुओं के भीतर से ही सदियों पहले से आवाज उठी और समाज सुधार के अनेक आन्दोलन भी शुरू हुए। जातिवाद और छुआछूत के खिलाफ अभियान चला। दलितों और आदिवासियों के साथ सदियों तक हुए हुए अन्याय और शोषण को खत्म करने के लिए भारत में छुआछूत के खिलाफ सख्त क़ानून बने, उन्हें बराबरी पर लाने के लिए संविधान में आरक्षण की व्यवस्था की गई, जो आज भी जारी है। भाजपा और आरएसएस को स्वर्ण हिन्दुओं की पार्टी बताते हुए इन दोनों संगठनों को हमेशा आरक्षण विरोधी भी बताया जाता रहा। हर चुनाव के मौके पर इस तरह की बयानबाजी होती रही है। भाजपा और संघ सफाई भी देते रहते हैं कि वे आरक्षण विरोधी नहीं हैं। इस बार भी आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को बयान देना पड़ा कि दलितों आदिवासियों का आरक्षण तब तक जारी रहना चाहिए, जब तक वे अन्य समुदाय की बराबरी पर आ कर खड़े नहीं हो जाते। लेकिन हर बार दलितों, आदिवासियों का मुद्दा उठाने और इसबार यह मुद्दा उठाने में फर्क यह है कि इसबार इसका इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की बदनामी करने में किया जा रहा है।

दूसरी तरफ मोदी जी-20 के इस मौके का फायदा उठाकर भारत की सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के सामने रख रहे हैं। मोदी ने अपने भाषण में भारत की हजारों साल पुरानी सर्वधर्म समभाव की विरासत याद दिलाई। उन्होंने देश की पहचान देश के प्राचीन नाम भारत के रूप में करवाई। प्रधानमंत्री जब अपना उद्घाटन भाषण दे रहे थे, तो उनके सामने रखी पट्टिका पर भारत लिखा था। यह पहली बार हुआ है कि किसी अंतरराष्ट्रीय मंच पर इंडिया की जगह भारत शब्द का इस्तेमाल हुआ है। इसे देखकर हर भारतीय का सीना गर्व से फूला होगा, क्योंकि यही इस देश का प्राचीन नाम था। यह 75 साल पहले हुई गलती को सुधारने की पहल है, जब संविधान सभा में जवाहर लाल नेहरू की जिद्द के चलते देश का नाम इंडिया देट इज भारत लिखा गया था।

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन खुद जवाहर लाल नेहरू की तरह अंग्रेजी में पढ़ाई की हुई हैं, शुद्ध हिन्दी बोल भी नहीं सकती, लेकिन उन्होंने एक्स पर लिखा कि उम्मीद और विश्वास का नया नाम भारत। हालांकि वह गलत हैं, क्योंकि भारत नया नाम नहीं है, यह न सिर्फ देश का प्राचीन नाम है, बल्कि संविधान में भी देश का यही नाम है। जी-20 के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वही कमजोरी दूर करने की कोशिश की, जिसके कारण देश का नाम इंडिया रखा गया था। राष्ट्रपति ने अपने रात्रिभोज निमन्त्रण में और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी इंडोनेशिया यात्रा में जब इंडिया की बजाए भारत शब्द का इस्तेमाल किया तो कांग्रेस ने इस पर भी नाक भौं सिकोड़ी थी। विपक्षी गठबंधन के घटक दलों ने यहां तक कह दिया कि क्योंकि विपक्ष ने अपने गठबंधन का नाम इंडिया रखा है, इसलिए मोदी अब देश का नाम भी बदलना चाहते हैं। जबकि केबिनेट की मीटिंग में जब प्रधानमंत्री मोदी ने सभी मंत्रियों को हिदायत दी कि वे इंडिया-भारत मुद्दे पर कोई बयान नहीं दें, तभी साफ़ हो गया था कि यह मुद्दा उनके लिए राजनीतिक नहीं है। मोदी ने इतिहास की उस गलती को सुधारने के लिए जी-20 के मौके पर पूरी योजना से इस्तेमाल किया है, जो संविधानसभा ने नेहरू के दबाव में आकर की थी। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने जब से आमंत्रण पत्र में राष्ट्रपति ऑफ भारत लिखा है, तब से गढ़े मुर्दे उखड़ रहे हैं, और वे सारी बातें देश की जनता के सामने खुलकर आ रही हैं कि किस तर्क और किसकी जिद्द के चलते इंडिया और भारत दोनों नाम रखे गए थे। यह बात भी सामने आ रही है कि संविधानसभा में देश का नाम इंडिया रखने पर कांग्रेस में गहरे मतभेद थे, उसी विरोध के कारण इंडिया के साथ भारत भी जोड़ा गया था। जवाहरलाल नेहरू का तर्क था कि संयुक्त राष्ट्र में भारत की पहचान इंडिया के नाम से है। सच यह है कि नेहरू की सोच भारतीय थी ही नहीं, वह हर बात को अंतरराष्ट्रीय और अंग्रेजों के नजरिए से देखते थे।

इसी अंतरराष्ट्रीय और अंग्रेजी नजरिए के कारण ही उन्होंने डॉ राजेन्द्र प्रसाद को राष्ट्रपति बनाने का विरोध किया था। उनकी जगह पर राजगोपालाचारी को राष्ट्रपति बनवाना चाहते थे, क्योंकि वह अंग्रेजी अच्छी बोल लेते थे और उनकी अंतरराष्ट्रीय पहचान थी। तब सरदार पटेल ने उन्हें कहा था कि वह हर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय नजरिए से देखना बंद करें, भारतीय नजरिए से भी देखा करें। कांग्रेस में नेहरू का कड़ा विरोध हुआ और वह राजगोपालाचारी को राष्ट्रपति नहीं बनवा सके। लेकिन देश के नाम पर उन्होंने अपनी बात मनवा ली थी। नेहरू की जिद्द के चलते देश के दो नाम तो रख दिए गए थे, लेकिन उसके बाद भी कांग्रेस के भीतर देश का नाम सिर्फ भारत करने की कोशिशें जारी रही थीं।

बहुत पुरानी बात नहीं है, यूपीए के शासनकाल में ही कांग्रेस के एक सांसद ने दो बार संविधान संशोधन बिल पेश किया था। कांग्रेस के सांसद शांता राम नायक ने 2010 में प्राइवेट मेंबर बिल पेश किया, जिसमें इन्होने कहा कि इंडिया सिर्फ देश की भौगोलिक अवधारणा को पेश करता है, जबकि भारत देश की आत्मा और संपूर्ण अवधारणा को पेश करता है। जैसे हम भारत माता की जय बोलते हैं, इंडिया माता की जय नहीं बोलते। गोवा प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष रहे और एक बार लोकसभा और दो बार राज्यसभा में कांग्रेस के सांसद रहे शांता राम नायक को सोनिया-राहुल गांधी का समर्थन नहीं मिला और उनका प्रस्ताव गिर गया। लेकिन जब वह दूसरी बार राज्यसभा सांसद बने तो 9 अगस्त 2012 को उन्होंने एक बार फिर वही प्रस्ताव पेश किया। यह वह एतिहासिक दिन था जिस दिन क्विट इंडिया मूवमेंट शुरू हुआ था, उन्होंने कहा कि देश आज़ाद हुआ तो क्विट इंडिया भी होना चाहिए था।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

पाशुपतब्रह्मोपनिषद् (भाग-3)

गतांक से आगे...

ब्रह्म के लक्षणों से युक्त यह यज्ञसूत्र (यज्ञोपवीत) है, वही ब्रह्मसूत्र है। अत: यज्ञोपवीत एवं ब्रह्मयज्ञ दोनों एक दूसरे के स्वरूप ही हैं। इसके अंग मात्राएँ हैं। यह ब्रह्मसूत्र ही इस मनोयज्ञ का हंस है। ब्रह्मयज्ञ से युक्त यह प्रणव भी ब्रह्मसूत्र ही है। प्रणव का अन्तर्वर्ती हंस भी ब्रह्मसूत्र है। यह ब्रह्मयज्ञ मोक्ष का साधन रूप ही है। [बाहर ब्रह्मसूत्र धारण करने का वास्तविक उद्देश्य अन्त:वर्ती ब्रह्मसूत्र को जाग्रत् जीवन्त बनाना होता है। जब अन्त:वर्ती ब्रह्मसूत्र परिपक्व अवस्था में पहुँच जाता है, तो बाह्यसूत्र को त्यागकर संन्यास में प्रवेश किया जाता है।]

ब्रह्मसंध्या मानसिक यज्ञ की क्रिया है, संध्या-क्रिया मानसिक यज्ञ का लक्षण है। [जो लोग ब्रह्मसंध्या को स्थूल कर्मकाण्ड के रूप में ही दुहरा कर अपना दायित्व पूरा मान लेते हैं, मानसिक यज्ञ के रूप में उसे जाग्रत् विकसित नहीं करते, उन्हें सन्ध्यावन्दन का शास्त्रोक्त लाभ प्राप्त नहीं होता।]

जो मनुष्य यज्ञोपवीत, प्रणव एवं ब्रह्मयज्ञ की क्रिया से सम्पन्न हैं, वही ब्राह्मण हैं। ब्रह्मचर्य में ही देवता विचरण करते हैं। सूत्ररूप हंस एवं प्रणव दोनों एक ही हैं। इन दोनों में कोई भेद नहीं है। हंस की प्रार्थना त्रिकाल अर्थात् तीन समय में सम्पन्न की जाती है। तीन काल, तीन वर्ण (अकार, उकार, मकार) होते हैं। यह यज्ञ तीन अग्नियों के अनुसंधान द्वारा सम्पन्न करने का है। तीन अग्नि रूप आत्मा की आकृति एवं वर्ण वाले कार रूप हंस का अनुसंधान ही अन्त: का यज्ञ है। चित् स्वरूप में तन्मय (तल्लीन होना ही तुरीयावस्था का स्वरूप है। अन्त: के आदित्य में हंस ही ज्योति रूप में अवस्थित है। यज्ञाङ्ग ही ब्रह्म सम्पत्ति है। अत: ब्रह्म-प्राप्ति के निमित्त प्रणवरूप हंस की साधना में ही ध्यान द्वारा विचरण करना चाहिए। ब्रह्मपुत्र वालखिल्य ने पुन: स्वयंभू ब्रह्माजी से पूछा-हे भगवन्! हंस सूत्रों की संख्या कितनं 129 उनके प्रमाण कितने हैं? आप तो सभी कुछ जानने में समर्थ हैं, कृपा करके बताने का अनुग्रह करे।

तदनन्तर स्वयंभू ब्रह्माजी ने उत्तर दिया- हृदय आदित्य की छियानवे रश्मियाँ हैं। चित-सूत्र प्राण से स्वरसहित निकलने वाली धारा भी छियानवे अंगुल होती है। बायीं भुजा (कंधा) और दक्षिण कट्यन्त (दाहिनी ओर कटि के छोर पर) के मध्य (हृदय क्षेत्र) में परमात्मा हंस का निवास है; किन्तु इस गुह्य विषय की जानकारी किसी को नहीं हो पाती है। जिन्हें अमृतत्व की प्राप्ति हो गई हैं, वे ही उस सर्वकाल प्रकाशमान हंस को जानते हैं। प्रणवरूपी हंस का अन्तर्ध्यान किये बिना मोक्ष की प्राप्ति नहीं हो पाती।

जो मनुष्य रंगे हुए इस नौ सूत्र वाले यज्ञोपवीत को धारण करते हैं। वे भी इसकी उपासना ब्रह्ममय मान कर ही करते हैं; किन्तु इन मनुष्यों को अन्त में स्थित आदित्यरूप ब्रह्म का ज्ञान (आत्मबोध) नहीं होता। आदित्य जगत् को प्रकाशित करता है, यह जानकर वे बुद्धिमान् मनुष्य पवित्रता एवं ज्ञान के लिए उसकी प्रार्थना करते हैं।

क्रमश:...

उन महिलाओं की मुस्कान है सबसे बड़ा पुरस्कार

लक्ष्मी गौतम

वृन्दावन में यमुना घाट के आसपास की गलियों में घूमते हुए दिनचर्या की शुरुआत होती है। इन गलियों में घूमकर मैं देखती हूँ कि कहीं किसी बेसहारा और निराश्रित विधवा का शव लावारिस न पड़ा हो। वृंदावन में देशभर से बेसहारा विधवा महिलाएँ आकर रहती है। मेरी कोशिश रहती है कि ये महिलाएँ सम्मान की जिंदगी जिएँ और मौत के बाद उनका सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार किया जाए। कई बार खुद ही लावारिस लाशों को उठाया है। सड़क पर पड़ी बीमार महिला को अस्पताल पहुँचाना, भूखी महिला को भोजन उपलब्ध कराना, उनकी पेंशन बनवाना, राशन कार्ड बनवाना, वस्त्र भोजन उपलब्ध करना रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है।

इन महिलाओं में ज्यादातर परित्यक्त हैं या फिर उनके पति मर चुके हैं। इनमें से कई असहाय महिलाओं की मौत तो गरीबी और अभाव के कारण हो जाती है। जबकि कम उम्र की विधवाओं को वेश्यावृत्ति के दलदल में धकेल दिया जाता है। अब तो वृंदावन के रिक्शे और तांगे वाले भी जब सड़क पर किसी लाचार महिला को देखते हैं, तो उसे हमारे दरवाजे पर छोड़ जाते हैं। मैं भी उन पीड़ित महिलाओं को पूरे मन से अपनाती हूँ और उनकी देखभाल करती हूँ। अब तक 500 से अधिक महिलाओं का अंतिम संस्कार हम करा चुके है। कई दिल दहलाने

वाली घटनाओं से इस बीच सामना हुआ है; जिसे सुनकर कोई भी हैरान हो सकता है। एक बार होली के दिन फोन पर मुझे पता चला कि एक अस्सी वर्षीय महिला को उसके बेटों ने बिना कपड़े के घर से बाहर फेंक दिया है। %मैं तुरंत निकल पड़ी और रास्ते भर यही सोचती रही कि न जाने कितने लोगों ने उस बूढ़ी माई को देखकर नजरंदाज किया होगा। यही नहीं, लावारिस लाशों को कुत्ते को खाते हुए भी देखी हैं।

विधवा महिलाओं को अस्पताल ले जाने से पहले उनके पैरों से कीड़े भी मैंने अपने हाथों से निकाले हैं। वृंदावन कृष्ण की नगरी है और दुनिया भर से लोग यहाँ आते हैं। लेकिन, बचपन में मुझे सबसे ज्यादा कौतूहल यहाँ आने वाली विधवा महिलाओं को देखकर ही होता था। मैं सोचती थी कि इन महिलाओं के केश क्यों नहीं हैं, ये शृंगार क्यों नहीं करती, रंगीन साड़ी क्यों नहीं पहनती और हमेशा भटकती क्यों रहती है। पिताजी से इन महिलाओं के बारे में पूछा तो उन्होंने इन विधवा महिलाओं की परेशानियों और सामाजिक उपेक्षा के बारे में बताया। तभी से इन महिलाओं के लिए मन में जगह सुरक्षित हो गई थी।

पिछले कई सालों से शिक्षिका के तौर पर कार्य कर रही हूँ। लेकिन मेरा असल मकसद तो विधवाओं, दहेज पीड़िताओं और असहाय महिलाओं की सेवा है। कॉलेज के बाद वृंदावन में दर-दर भटकने वाली लाचार और असहाय महिलाओं की मदद करने निकल पड़ती हूँ। पिछले 20 वर्षों से भी अधिक समय से यह सिलसिला चल रहा है। कुछ समय पहले कनकधारा फाउंडेशन नामक संस्था शुरू की, तो सेवा की इस पहल को संगठित रूप मिल गया। मैं महिलाओं के हित से जुड़े मुद्दों को लेकर राज्य सरकार, राज्य महिला आयोग, राष्ट्रीय महिला आयोग तक गई हूँ। लेकिन 50 से अधिक बुजुर्ग महिलाओं को उनके परिवार से मिलाना सचमुच सुखद अनुभव था। समाज सेवा के लिए कई पुरस्कार भी मिले, मगर मेरा सबसे बड़ा पुरस्कार तो बेसहारा लोगों के चेहरे की मुस्कान होती है।

जी20 में अफ्रीकन यूनियन को जोड़ना भारत की बड़ी उपलब्धि

उमेश चतुर्वेदी

नई दिल्ली में आज से शुरु हुए जी20 की सबसे बड़ी उपलब्धि क्या है? जी20 का जी21 बन जाना नई दिल्ली में शुरु हुए इस शिखर सम्मेलन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। अपनी अध्यक्षता में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अफ्रीकन यूनियन को 21वां सदस्य बनाकर इतिहास रच दिया है।

जब भारत को अध्यक्षता मिली थी तब यह जी20 समूह था लेकिन अब आधिकारिक रूप से इसे जी21 का दर्जा दे दिया गया है। मेजबान के नाते भारतीय नेतृत्व को ही बोलने का पहला मौका मिला। इस बैठक की शुरूआत ने ना सिर्फ देश, बल्कि दुनिया, दोनों को चौंका दिया है। मेजबान देश की परिचय पट्टिका पर इंडिया की बजाय लिखा भारत शब्द सिर्फ देश के नाम का प्रतीकभर नहीं है, बल्कि वह दुनिया को संदेश भी है कि नई विश्वव्यवस्था में हिमालय के दक्षिण और हिंद महासागर के उत्तर का इलाका ना सिर्फ नई पहचान के साथ आगे बढ़ेगा, बल्कि वह विश्व व्यवस्था में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका भी नए रूप में निभाएगा। अभी भारत की नाम पट्टिका चौंका ही रही थी कि देश के अगले कदम ने दुनिया को चौंका दिया। अफ्रीकन यूनियन को जी 20 की सदस्यता की मंजूरी मिली। प्रधानमंत्री मोदी ने इसका प्रस्ताव किया जिसका बाकी राष्ट्र प्रमुखों ने समर्थन किया। अफ्रीकन यूनियन की सदस्यता की औपचारिक शुरूआत का भारतीय विदेशमंत्री एस जयशंकर जैसे इंतजार कर रहे थे। जयशंकर शालीनता पूर्वक अफ्रीकन यूनियन के अध्यक्ष और कोमोरोस संघ के राष्ट्रपति अजाली औसमानी की ओर बढ़े और उन्हें सदस्य की कुर्सी पर लाकर बिठा दिया। तालियों की गड़गड़ाहट में उस

चीन के प्रधानमंत्री ली केकियांग की भी हथेलियां सहयोग कर रही थीं, जिस चीन को इस सदस्यता के साथ अफ्रीकन यूनियन में एकाधिकार को चुनौती मिलने वाली है।

अफ्रीकन यूनियन में 55 देश हैं, जिनकी कुल जनसंख्या एक अरब छियालिस करोड़ है। इतनी विशाल जनसंख्या और बड़े भूभाग को इस समूह में शामिल करने के जरिए भारत की कोशिश चीन के वन बेल्ड, वन रोड परियोजना को चुनौती देनी है। भारत की इस योजना में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान का भी सहयोग है। योजना है कि अफ्रीकन यूनियन के साथ भारत, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका मिलें, जिसे ऑस्ट्रेलिया और जापान का सहयोग भी मिले। यह गठजोड़ आर्थिक सहयोग के साथ दुनिया में नई धमक बनाए। कुल मिलाकर इस गठजोड़ का मकसद विस्तारवादी चीन को घेरना है। दुनिया भर में आर्थिक वर्चस्व कायम करते रहे चीन की आर्थिक स्थिति हाल के कुछ महीनों से गड़बड़ा रही है। आर्थिक मामलों में विशेषकर अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के देशों में भी वह मनमानापन करता रहा है, जिसका वहां की जनता की ओर से विरोध बढ़ रहा है। उसकी विस्तारवादी नीति से प्रभावित भारत और पूर्वी एशिया के देश ही नहीं है, दुनिया की नंबर दो सामरिक महाशक्ति रूस भी है, जिसके एक द्वीप पर हाल ही में चीन ने अपना हक जताया है। ऐसे माहौल में अमेरिका, भारत, अरब और अफ्रीकन यूनियन का पारस्परिक सहयोग नई विश्व व्यवस्था की ओर बढ़ेगा, जिसमें चीन को भरपूर चुनौती मिलेगी। एक और तथ्य की ओर ध्यान दिया जाना चाहिए। भारत की पहल पर अफ्रीकन यूनियन को जी20 को शामिल किया गया है। दो दिन पहले आसियान देशों के सम्मेलन में भी मोदी ने ग्लोबल साउथ देशों के साथ आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने पर जोर दिया था। ग्लोबल साउथ यानी अफ्रीकन यूनियन को जी 20 में शामिल कराने में भारत की बड़ी भूमिका है, इसलिए तय है कि इन देशों के नेतृत्व की स्वाभाविक दावेदारी भारत को ही मिलेगी। चूंकि भारत खुद औपनिवेशिक शासन व्यवस्था का दो दशक तक प्रताड़ित रहा है, इसलिए वह किसी भी कीमत पर चीन जैसी औपनिवेशिक गुलाम आर्थिक नीतियों का समर्थन नहीं करता।

दुनिया के सामने अफ्रीकी देशों की प्रचुर खनिज संपदा, उनका तेल भंडार, उनका कोबाल्ट का भंडार और खेती-किसानी के लिए खुला मैदान संभावनाओं का बड़ा द्वार है। हालांकि उनके सामने खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण सुरक्षा और स्थानीय संप्रभुता के सम्मान का संकट है। भारत का अनुभव और अरब देशों के साथ ही अमेरिका के साथ इन देशों को अपनी समस्याओं से निबटने में मदद मिलेगी। निश्चित तौर पर इसका फायदा भारत को मिलेगा। जी 20 में अफ्रीकन यूनियन के शामिल होने के बाद इसका आंतरिक शक्ति संतुलन भी बदलेगा। जी20 का स्थायी सदस्य यूरोपीय संघ है, जिसकी जनसंख्या कुल मिलाकर करीब 45 करोड़ है। अब तक जी 20 में शक्ति संतुलन अमेरिका और यूरोपीय संघ के पक्ष में रहता था। अफ्रीकन यूनियन के शामिल होने के बाद भारत की अगुआई में शक्ति संतुलन को नई चुनौती मिलेगी। इसका असर यह होगा कि भारतीय हितों के मुताबिक नीतियों का निर्माण होगा, वैश्विक संबंध विकसित होंगे और आर्थिक नीतियां तय होंगी।

हाल के दिनों में भारत जिस तरह सतत ऊर्जा को बढ़ावा देने में आगे रहा है, निश्चित तौर पर उसे आने वाले दिनों में कोबाल्ट की जरूरत होगी। बैटरियां बनाने में कोबाल्ट का अहम इस्तेमाल होता है। अफ्रीकन यूनियन के कोबाल्ट भंडार से भारत ही नहीं, उन सभी देशों को सहयोग मिलेगा, जो सतत ऊर्जा आधारित वाहनों की ओर बढ़ रहे हैं। इसका फायदा अफ्रीकन यूनियन के देशों को भी होगा। वहां की आर्थिक समस्याओं से निजात की कई राहें खुलेंगी। वहां खेती आधारित उद्योग पनपेंगे। भारत भी चूंकि कृषि संस्कृति वाला देश रहा है, इसलिए भारत अफ्रीका के जंगलों और ऊपजाऊ मिट्टी में अपने लिए उम्मीद देख सकता है।

अफ्रीकन यूनियन के देश नाइजीरिया में तेल का अकूत भंडार है। अरब और अफ्रीकन यूनियन का सहयोग वैश्विक स्तर पर जहां तेल मामलों में सहयोग के नए द्वार खोलेगा, वहीं भारत की ऊर्जा खपत में सहयोग कर सकेगा। बेशक भारत के विद्यार्थी ज्यादातर पश्चिमी देशों के साथ ही ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और कनाडा पढ़ाई के लिए जाते हैं। लेकिन अफ्रीकन यूनियन के इस समूह में शामिल होने के बाद भारतीत शैक्षिक संस्थानों की ओर अफ्रीकी देशों के छात्रों की आवक बढ़ेगी। इसके लिए भारतीय शैक्षिक संस्थानों को अपनी सहूलियतें बेहतर करनी होंगी, अपना शैक्षिक और शिक्षण स्तर बेहतर बनाना होगा। भारतीय कंपनियों को भी इन देशों में नए मौके मिलेंगे।

हिन्द स्वराज्य

हिन्दुस्तान की दशा-2 (भाग-6)

गतांक से आगे...

प्रश्न- अब गोरक्षा के बारे में अपने विचार बताइये।

उत्तर- मैं खुद गाय को पूजता हूँ यानी मान देता हूँ। गाय हिन्दुस्तान की रक्षा करने वाली है, क्योंकि उसकी संतान पर हिन्दुस्तान का, जो खेती- प्रधान देश है, आधार गाय कई तरह से उपयोगी जानवर है। वह उपयोगी जानवर है, यह तो मुसलमान भाई भी कबूल करेंगे। लेकिन जैसे मैं गायको पूजता हूँ वैसे मैं मनुष्यको भी पूजता हूँ। जैसे गाय उपयोगी है वैसे मनुष्य भी—फिर चाहे वह मुसलमान हो या हिन्दू- उपयोगी है। तब क्या गाय को बचाने के लिए मैं मुसलमान से लडूंगा? क्या उसे मैं मारूंगा? ऐसा करने से मैं मुसलमान का और गाय का भी दुश्मन बनूँगा। इसलिए मैं कहूँगा कि गाय की रक्षा करने का एक यही उपाय है कि मुझे अपने मुसलमान भाई के सामने हाथ जोड़ने चाहिए और उसे देश की खातिर गाय को बचाने के लिए समझाना चाहिए। अगर वह न समझे तो मुझे गायको मरने देना चाहिए, क्योंकि वह मेरे बसकी बात नहीं। अगर मुझे गाय पर अत्यन्त दया आती हो तो अपनी जान दे देनी चाहिए, लेकिन मुसलमान की जान नहीं लेनी चाहिए। यही धार्मिक कानून है, ऐसा मैं तो मानता हूँ। हाँ और नहीं के बीच हमेशा वैर रहता है। अगर मैं वाद-विवाद करूँगा, तो मुसलमान भी वाद-विवाद करेगा। अगर मैं टेढ़ा बनूँगा तो वह भी टेढ़ा बनेगा। अगर मैं बालिश्त भर नमूँगा तो वह हाथ भर नमेगा; और अगर वह न भी नमे तो मेरा नमना गलत नहीं कहलायेगा। जब हमने जिद की तब गोकुशी बढ़ी। मेरी राय है कि गोरक्षा प्रचारिणी सभा गोवध प्रचारिणी सभा मानी जानी चाहिए। ऐसी सभा का होना हमारे लिए बदनामी की बात है। जब गाय की रक्षा करना हम भूल गये तब ऐसी सभा की जरूरत पड़ी होगी। मेरा भाई गाय को मारने दौड़े तो में उसके साथ कैसा बरताव करूँगा? उसे मारूंगा या उसके पैरों मे पड़ेगा? अगर आप कहें कि मुझे उसके पाँव पड़ना चाहिए, तो मुझे मुसलमान भाई के भी पाँव पड़ना चाहिए। गाय को दुख देकर हिन्दू गाय का वध करता है; इससे गाय को कौन छुड़ाता है? जो हिन्दू गाय की औलाद को पैना (आर) भोंकता है, उस हिन्दू को कौन समझाता है? इससे हमारे एक राष्ट्र होने में कोई रुकावट नहीं आयी है।

क्रमश: ...

सपा की जीत से ज्यादा भाजपा की हार की चर्चा

अनिल सिंह

उत्तर प्रदेश में बहुप्रतीक्षित घोसी उपचुनाव के नतीजे आ चुके हैं। सत्ताधारी भाजपा चारों खाने चित्त हो गई है। समाजवादी पार्टी के सुधाकर सिंह ने बड़े अंतर से भाजपा प्रत्याशी एवं इस सीट से निवर्तमान विधायक दारा सिंह चौहान को पटखनी दी है। सपा की जीत से ज्यादा चर्चा भाजपा की हार की है। पिछड़ों के भारी नेता बताकर भाजपा में फिर से शामिल कराये गये दारा सिंह चौहान के प्रचारित जनाधार का सच सामने आ चुका है। दलबदल के महारथी दारा सिंह से घोसी की जनता बेहद नाराज थी, लेकिन भाजपा नेतृत्व इसे भांप नहीं पाया। दूसरी तरफ, सपा नेता एवं चुनाव प्रभारी शिवपाल सिंह यादव ने बाहरी एवं स्थानीय का चुनाव बनाकर इस जंग को और रोचक बना दिया था, जिसकी काट भाजपा आखिर तक नहीं ढूंढ पायी।

दरअसल, उत्तर प्रदेश के घोसी विधानसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की जीत केवल भाजपा की हार नहीं है, बल्कि उस रणनीति की हार है, जिसको आधार बनाकर दिल्ली ने 2024 के लोकसभा चुनाव में विजय प्राप्त करने का सपना पाल रखा है। घोसी का नतीजा उस जातिवादी राजनीति की हार है, जिसको उत्तर प्रदेश की जनता वर्ष 2007 के बाद से ठुकरा चुकी है। यह नतीजा दिल्ली की उस हठधर्मिता की भी हार है कि वह जिसे भी भाजपा के सिंबल पर लड़ा देगी वह जीतकर आ जायेगा। यह परिणाम अपने कार्यकर्ताओं से ज्यादा दूसरे दलों से आये नेताओं पर भरोसे की हार है। घोसी के जरिए जनता ने एक बार फिर संदेश दे दिया है कि राष्ट्रवाद और हिंदुत्व की आड़ में दलबदलुओं एवं जातिवादियों के लिये यूपी और देश की राजनीति आसान नहीं रहने वाली है। घोसी में 42,500 हजार वोटों के अंतर से भाजपा की पराजय ने एनडीए के जाति आधारित गठबंधन सहयोगियों की वोट जुटाऊ क्षमता पर बड़ा सवाल पैदा किया है। 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा उम्मीदवार के तौर पर दारा सिंह चौहान ने भाजपा प्रत्याशी विजय राजभर को 22 हजार वोटों के अंतर से हराया था। तब सुभासपा सपा गठबंधन की हिस्सा थी। इस बार सुभासपा एनडीए के साथ थी, इसके बावजूद हार का अंतर लगभग दोगुना हो गया है। ओम प्रकाश राजभर अपनी पहली ही परीक्षा में फेल हो गये हैं। दरअसल, भाजपा जिस पिछड़े जातीय समीकरण के सहारे अपनी जीत पक्की मानकर चल रही थी, उसी भरोसे ने सारे समीकरण ध्वस्त कर दिये हैं।

भाजपा को समझना पड़ेगा कि उत्तर प्रदेश में 2017, 2019, 2022 का चुनाव जातिवाद और केवल पिछड़ों की राजनीति के

जरिये नहीं जीते गये थे। इस जीत में सवर्ण वोटरों का भी योगदान था, जो अब तक हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के नाम पर भाजपा को वोट देता आ रहा था। अपने अपमान से नाराज क्षत्रिय मतदाता भी इस बार भाजपा से छिटककर सपा खेमे में चला गया। यह भाजपा के लिए चिंता का विषय होना चाहिए, क्योंकि मुलायम सिंह यादव के दौर की तरह क्षत्रिय वोटर सपा से जुड़ गया तो यूपी भगवा पार्टी के लिये एकतरफा नहीं रह जायेगा। यूपी में सभी को साथ लेकर चलने की बजाय यूपी में केवल पिछड़ों को साधने की रणनीति घोसी में भारी पड़ गई है। भाजपा जाति आधारित राजनीति की चैम्पियन नहीं रही है कभी। हिन्दुत्व और राष्ट्रवाद ही उसका कोर मुद्दा रहा है। भाजपा में पिछड़े वर्ग के ही नेताओं के ऐसे कई उदाहरण हैं। कल्याण सिंह, उमा भारती, विनय कटियार जैसे नेता जब तक हिंदुत्व के आवरण में रहे, लोकप्रियता बनी रही, लेकिन जैसे ही ये नेता जाति और पिछड़ों की खोल में शामिल हुए, औंधे मुंह गिर गये। बीते कुछ समय में भाजपा भी खुद को पिछड़ों की राजनीति पर केंद्रित कर रही है तथा दूसरे दलों से आये लोगों को अपने कैडर पर वरीयता दे रही है। घोसी उपचुनाव में बसपा से आने वाले डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का पूरा उपयोग किया गया, लेकिन अपने कैडर के बेहद सज्जन एवं ईमानदार नेता डा. दिनेश शर्मा को घोसी भेजने की जरूरत नहीं समझी गई। डा. महेंद्रनाथ पांडेय को भी घोसी से दूर रखा गया। विजय बहादुर पाठक जैसे स्थानीय नेता को भी जिम्मेदारी से वंचित रखा गया। अपने कैडर के पिछड़े नेताओं को भी घोसी में नहीं लगाया गया।

भाजपा नेतृत्व द्वारा घोसी के कार्यकर्ताओं की भावनाओं को समझने का प्रयास नहीं किया गया कि विधानसभा चुनाव में जिस दारा सिंह चौहान के खिलाफ कार्यकर्ताओं ने प्रचार किया था, मात्र 16 महीने में ही उसी के लिये वोट कैसे मांगेंगे ओम प्रकाश राजभर और दारा सिंह चौहान को शामिल करने से पहले दिल्ली दरबार ने लखनऊ को भरोसे में लेने की जरूरत भी नहीं समझी, जिसका नतीजा सामने है। लखनऊ को बाईपास करके लिये गये दोनों फैसलों को मास्टर स्ट्रोक बताकर प्रचारित किया गया, लेकिन दोनों फैसले उल्टे पड़ गये हैं। दरअसल, विधानसभा चुनाव में मोदी-योगी और भाजपा को खुलकर अपशब्द बोलने वाले दोनों पिछड़े नेताओं को एनडीए और भाजपा में शामिल करना भाजपा काडर और जनता दोनों को रास नहीं आया। मऊ का पूरा भाजपा काडर ही शिथिल हो गया। पुराने नेताओं की बजाय ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री एके शर्मा जैसे लोगों को वरीयता दी गई, जो ऊपर से थोपे गये हैं। एके शर्मा अपनी पूरी ताकत लगाने के बावजूद भूमिहार वोटरों को भाजपा के पाले में नहीं कर पाये। डिप्टी सीएम केशव मौर्य और भूपेंद्र चौधरी भी पिछड़ों को एकजुट करने में जुटे रहे, लेकिन नाकाम हो गये। यहां तक कि योगी आदित्यनाथ ने भी घोसी जाकर प्रचार किया लेकिन उनका हिन्दुत्व और बुलडोजर भी घोसी में मतदाताओं को प्रभावित करने में बेअसर रहा। आश्चर्य की बात यह भी है स्वयं योगी के घोसी जाने के बाद भी क्षत्रिय मतदाताओं की भाजपा से नाराजगी दूर नहीं हुई। भाजपा के लिए यह बड़ी परेशानी का सबब है कि पिछड़ा बाहुल्य सीट पर उसका पिछड़ा कैंडिडेट पार्टी के पिछड़े नेताओं की पूरी ताकत लगाने के बावजूद सपा के अगड़े नेता से पिछड़ गया। दूसरी तरफ, शिवपाल की रणनीति कारगर रही। उन्होंने इस चुनाव को ध्रुवीकरण से बचाने के लिए अपने किसी भी मुस्लिम नेता को घोसी में नहीं उतारा। उन्होंने पूरे चुनाव को बाहरी एवं स्थानीय पर ही केंद्रित रखा जिसकी काट भाजपा के दिग्गज नेता एवं मंत्री तक नहीं तलाश पाये। भाजपा ने इस सीट को जिताने की जिम्मेदारी अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, महामंत्री एवं प्रभारी अनूप गुप्ता, महामंत्री सुभाष यदुवंश, महामंत्री अमरपाल मौर्या, क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय जैसे नेताओं को दे रखी थी, जो कभी जनता के बीच से चुनकर आये ही नहीं। शिया मुस्लिम बहुल घोसी में मोहसिन रजा की जगह केवल सुन्नी समुदाय के मंत्री दानिस आजाद अंसारी को वरीयता दी गई। वैचारिक कार्यकर्ताओं से ज्यादा जातीय पार्टियों के नेता ओम प्रकाश राजभर तथा संजय निषाद पर भरोसा किया गया। बीते चुनाव में जनता ने दल बदलने वाले ज्यादातर नेताओं को धूल चटा दी थी। इसके बावजूद भाजपा नेतृत्व ने कोई सबक नहीं लिया। चुनाव परिणाम से सरकार की सेहत पर तो कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन 2024 से पूर्व इस जीत ने उत्तर प्रदेश में सपा और इंडिया गठबंधन को ताकत जरूर दे दी है। नतीजे से सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर एवं निषाद पार्टी के संजय निषाद की वोट जुटाऊ क्षमता पर भी सवाल उठ गया है, जो लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा नेतृत्व के लिए चिंता का कारण हो सकता है।

जी-20 की सफलता का देश-दुनिया की राजनीति पर होगा असर

आलोक मेहता

जी-20 देशों के दिल्ली शिखर सम्मेलन से दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग और विकास के रास्ते खुल रहे हैं, वहीं भारत और इसकी राजनीति पर दूरगामी असर रहने वाला है। खासकर अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विश्व में प्रतिष्ठा तथा आर्थिक विकास के लिए अनेक देशों से समझौते से सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को लाभ मिल सकता है। पाकिस्तान और चीन भी अब दुनिया के दबाव में रहेंगे और भारत विरोधी उनकी गतिविधियों पर अंकुश लग सकेगा। वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका लगातार बढ़ रही है और भारत-अमेरिका संबंध परिणामी रिश्तों में से एक हैं। अमेरिका, यूरोप, आसियान, लातिन अमेरिका और अफ्रीका के देश भारत द्वारा विश्व में शांति, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, रक्षा आदि मानव कल्याण के कार्यक्रमों के लिए सहमत हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय कूटनीति की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि जी-20 सम्मेलन में अमेरिका, यूरोप के साथ रूस और चीन से किसी भी देश द्वारा परमाणु हथियारों की धमकी न देने, किसी देश की सम्प्रभुता का अतिक्रमण न करने और आतंकवाद के कड़े विरोध का घोषणा पत्र जारी करवा दिया। इसके साथ ही यूक्रेन की युद्ध की स्थिति पर चिंता और शांति पर जोर दिया गया, लेकिन आक्रामक रूस के नाम तक का जिक्र नहीं किया गया। यह मोदी और जयशंकर की चतुर राजनयिक क्षमता का परिणाम है। इससे रूस-यूक्रेन के बीच शांति प्रयासों में भी सहायता मिल सकती है। दूसरी तरफ भारत, पश्चिम एशिया, मध्य पूर्व, यूरोप, जर्मनी, इटली और अमेरिका के बीच आर्थिक कॉरिडोर के ऐतिहासिक निर्णय की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने की। इससे समुद्री, वायु और थल मार्गों से विश्व व्यापार का नया अध्याय प्रारंभ हो सकेगा। यह चीन द्वारा पाकिस्तान, श्रीलंका, म्यांमार के रास्ते यूरोप की तरफ आर्थिक कॉरिडोर मार्ग के प्रयास का करारा जवाब है। क्षेत्रीय-वैश्विक स्तर पर दक्षिण एशिया का अगुआ देश भारत ही है। इस वजह से दक्षिण एशिया के बाकी देशों के हितों को (जो जी-20 का हिस्सा नहीं है) आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी भी भारत की ही है। पूरी दुनिया में भारत के नाम का डंका बज रहा है। पूरी दुनिया को भारत की जरूरत है। ऐसे में दुनियाभर में भारत की बढ़ती हैसियत की घरेलू माहौल में पुष्टि करना भी एक बड़ी जिम्मेदारी है। भारत अपनी पूरी ताकत के साथ दुनिया के प्रमुख 20 देशों का नेतृत्व कर रहा है। भारत से जलवायु परिवर्तन और सतत विकास पर चर्चा का नेतृत्व करने की जो उम्मीद विश्व ने रखी, भारत उस पर खरा उतरा है।

विपक्षी एकता की परीक्षा लेते कठिन मुद्दे

राज कुमार सिंह

मुंबई में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की दो दिवसीय बैठक के निष्कर्षों पर भाजपा के कटाक्ष और सवाल समझे जा सकते हैं, पर वहां जो कुछ हुआ, अपेक्षित ही था। समान विचारवाले दलों में गठबंधन की राजनीति के दिन कब के हवा हो चुके। अब तो महज सत्ता प्राप्ति के साझा उद्देश्य से ही गठबंधन बनते हैं- चाहे वह एनडीए हो या फिर 'इंडिया'। हां, मुंबई बैठक में बिना संयोजक ही सही, समन्वय समिति की घोषणा एक जरूरी कदम के रूप में सामने आयी है। परस्पर दलगत हितों के टकराव के मद्देनजर 'इंडिया' के घटक दल फूंक-फूंक कर कदम आगे बढ़ा रहे हैं। संयोजक को चुनावी चेहरे के रूप में देखा-दिखाया जा सकता है। इसलिए उसकी घोषणा के साथ ही खींचतान बढ़ भी सकती है। आखिर चार राज्यों में अपनी और तीन राज्यों में गठबंधन सरकार वाली कांग्रेस विपक्ष का सबसे बड़ा दल है, तो मात्र एक लोकसभा सांसदवाली आप की भी दो राज्यों में सरकार है। उधर नीतीश कुमार इस विपक्षी एकता के सूत्रधार रहे हैं, तो 42 लोकसभा सीटों वाले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बेहद जुझारू नेता हैं। फिर नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा 18 सितंबर से संसद का पांच दिवसीय विशेष सत्र बुलाने तथा 'एक देश-एक चुनाव' के मुद्दे पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में समिति की घोषणा से समय पूर्व लोकसभा चुनाव की आशंका भी गहरायी है। इसलिए भी, विपक्ष की कोशिश है कि टकराव वाले मुद्दों से किनारा करते हुए अपने गठबंधन को चुनाव के लिए तैयार किया जाए। सीटों का बंटवारा बड़ा मुद्दा है, जिस पर सब कुछ निर्भर करेगा। इसलिए मुंबई बैठक में प्रचार अभियान और सोशल मीडिया संबंधी समितियां गठित करते हुए 'इंडिया' ने जल्दी ही सीट शेयरिंग फॉर्मूला खोजने की बात भी कही है, पर यह कर पाना कहने जितना आसान नहीं। कई राज्यों में कांग्रेस और क्षेत्रीय दल चुनावों में परस्पर टकराते ही रहे हैं। अच्छी बात यह है कि विपक्षी दलों के बड़े नेताओं को इस जटिलता का अहसास है और कहा जा रहा है कि अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराने के लिए वे त्याग करने को तैयार हैं, लेकिन अगर 'इंडिया', मोदी सरकार को हर मोर्चे पर नाकाम बताता है, तो उसे वैकल्पिक दृष्टिकोण के साथ अपना कार्यक्रम देश के समक्ष पेश करना ही होगा। मुंबई बैठक में पारित प्रस्ताव में बड़ी सावधानी से कहा गया है कि जहां तक संभव होगा, हम अगला चुनाव मिल कर लड़ेंगे। संकेत हैं कि टीमएमसी-लेफ्ट के बीच तल्ख टकराव वाले पश्चिम बंगाल तथा कांग्रेस-लेफ्ट के सत्ता संघर्ष वाले केरल में 'इंडिया' के घटक दलों में परस्पर चुनावी मुकाबला देखने को मिल सकता है। केरल में भाजपा का कोई प्रभाव नहीं है, इसलिए कांग्रेस या लेफ्ट में से जो भी जीते, 'इंडिया' की ही जीत होगी, लेकिन पश्चिम बंगाल में विपक्षी गठबंधन को इससे नुकसान हो सकता है। कांग्रेस और आप नेतृत्व अभी तक परस्पर समझदारी का संकेत दे रहे हैं, पर दिल्ली और पंजाब में उनके बीच भी सीट बंटवारा आसान नहीं होगा। कहीं 'एक देश-एक चुनाव' की सोच 'इंडिया' में ऐसे टकराव को बढ़ावा देने की मंशा से भी तो प्रेरित नहीं? मोदी सरकार का यह अकेला दांव नहीं है, जिससे 'इंडिया' में बौखलाहट है। जी-20 शिखर सम्मेलन के मेहमानों को रात्रिभोज के निमंत्रण पत्र पर 'प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया' की जगह 'प्रेसिडेंट ऑफ भारत' लिखे जाने से भी विपक्ष बौखलाया हुआ है कि कहीं विशेष संसद सत्र में देश का नाम बदलने का इरादा तो नहीं है?

बसपा अकेले के चक्कर में वोटकटवा पार्टी बनकर न रह जाये

संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश के मऊ जिले की घोसी विधानसभा सीट का नतीजा भारतीय जनता पार्टी से कहीं अधिक बहुजन समाज पार्टी के लिए खतरे की घंटी नजर आ रहा है। घोसी में वोटिंग से चंद घंटे पहले बसपा सुप्रीमों मायावती ने जिस अलोकतात्रिक तरीके से अपने वोटरों से वोट नहीं देने या फिर नोटा का बटन दबाने का आहवान किया था उसे दलित वोटरों ने पूरी तरह से खारिज कर दिया और समाजवादी पार्टी के पक्ष में खुलकर मतदान किया। यदि ऐसा न होता तो घोसी में समाजवादी पार्टी को इतनी बड़ी जीत कभी नहीं मिलती। समाजवादी पार्टी बसपा के दलित वोट बैंक को अपने में मिलने के लिए काफी समय से हाथ-पैर मार रही थी, उसका यह सपना काफी हद तक घोसी में पूरा हो गया। बसपा सुप्रीमों को यह समझना होगा कि एक बार दलित वोटर ने उनसे किनारा कर लिया तो दोबारा वापसी असंभव नहीं तो मुश्किल जरूरी हो सकती है। वैसे भी दलित वोटर अपने लिये नये सियासी ठिकाने की तलाश कर रहा था। इसकी सबसे बड़ी वजह है मायावती का राजनीति से मोहभंग होना। बसपा सुप्रीमों अब राजनीति में काफी कम समय देती हैं। पार्टी के पुराने नेताओं ने भी बसपा से दूरी बना ली है।

घोसी उपचुनाव के नतीजे ने बसपा के अकेले लोकसभा चुनाव लड़ने के अरमानों को भी बड़ा झटका दिया है। अच्छा होता कि बसपा घोसी चुनाव से दूरी नहीं बनाती, इससे बसपा को कम से कम अपने वोट बैंक में बिखराव तो नहीं देखने को मिलता। मायावती का चुनाव नहीं लड़ने के फैसले पर इस लिए भी उंगली उठ रही है क्योंकि कुछ समय पूर्व आजमगढ़ लोकसभा उप-चुनाव में बसपा ने शानदार प्रदर्शन किया था, भले वह चुनाव नहीं जीत पाई थी ,लेकिन दलितों के साथ-साथ मुस्लिम वोटरों ने भी उसके पक्ष में बड़ी तादात में मतदान किया था, जिसके चलते सपा तीसरे नंबर पर सिमट गई थी। अच्छा होता मायावती आजमगढ़ से निकले ट्रेंड को घोसी में भी अपना प्रत्याशी उतार कर पार्टी के लिए दलित-मुस्लिम वोट बैंक की संभावनाएं बरकरार रखती, लेकिन बसपा की

गैरमौजूदगी में हुए चुनाव में कांग्रेस समर्थित सपा की जीत से अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव में पिछड़ो-दलितों और अल्पसंख्यकों (पीडीए) का समाजवादी पार्टी या आइएनडीआइए की तरफ झुकाव बढ़ने के प्रबल आसार हैं।

राजनीति के जानकार कहते हैं बसपा सुप्रीमों यदि अकेले चुनाव लड़ने का फैसला करती हैं तो यह उनके लिए आत्मघाती साबित होगा। एनडीए और आइएनडीआइए की सीधी लड़ाई में अकेले चुनाव मैदान में उतरने वाली बसपा को अबकी लोकसभा चुनाव में खाता खोलने तक की चुनौती से जूझना पड़ सकता है। राजनैतिक पंडित समझ ही नहीं पा रहे हैं कि पिछले वर्ष विधानसभा चुनाव में 21.12 प्रतिशत वोट हासिल कर तीसरे स्थान पर रहने के बावजूद बसपा घोसी उपचुनाव के मैदान से दूर क्यों रही। यह सच है कि वैसे तो बसपा अमूमन उपचुनाव से दूर रहती है, परंतु घोसी उपचुनाव के बारे में कहा जा रहा है कि बसपा प्रमुख मायावती ने सोची-समझी रणनीति के तहत दूरी बनाए रखी. चूंकि माना जाता रहा है कि ज्यादातर उपचुनाव में सत्ताधारी पार्टी की ही जीत होती है और भाजपा ने घोसी सीट पर जीत सुनिश्चित करने के लिए निषाद पार्टी, अपना दल के साथ ही एनडीए में सुभासपा को भी ले लिया इसलिए उसकी ही जीत की संभावना ज्यादा नजर आ रही थीं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और निकली।

दरअसल, मायावती को करीब से जानने वालों को लगता है कि घोसी में भाजपा के जीतने की दशा में मायावती अल्पसंख्यकों को फिर यही समझाने की कोशिश करती कि भाजपा का मुकाबला सपा-कांग्रेस का आइएनडीआइए गठबंधन नहीं कर सकता। बसपा ही लोकसभा चुनाव में अकेले भाजपा को हरा सकती है, इसीलिए उपचुनाव के दरमियान भी मायावती बार-बार यही कहती रहीं कि वह न एनडीए और न ही आइएनडीआइए गठबंधन के साथ हैं। निश्चित तौर पर आइएनडीआइए में शामिल कांग्रेस, रालोद के समर्थन के साथ सपा प्रत्याशी की जीत से मायावती के अकेले लोकसभा चुनाव लड़ने की रणनीति को तगड़ा झटका लगा है। माना जा रहा है कि सपा की जीत से लोकसभा चुनाव में अल्पसंख्यकों का आइएनडीआइए की तरफ झुकाव बढ़ेगा। ऐसे में एनडीए और आइनडीआइए प्रत्याशियों के बीच सीधी लड़ाई होगी।

बसपा अकेले चुनाव मैदान में कूदेगी तो यह तय माना जायेगा कि इससे भाजपा को ही ज्यादा फायदा होगा। गौरतलब हो, सपा से गठबंधन कर लोकसभा चुनाव 2019 में 10 सीटें जीतने वाली बसपा वर्ष 2014 में अकेले चुनाव लड़ने पर शून्य पर सिमट कर रह गई थी। अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव में बसपा को दलितों या अल्पसंख्यकों आदि का जो भी वोट हासिल होगा उसका नुकसान आइएनडीआइए को होगा और सीधा लाभ भाजपा को ही मिलेगा। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष आजमगढ़ लोकसभा सीट के उपचुनाव में मायावती ने प्रत्याशी उतारा तो बसपा तो नहीं जीती लेकिन बसपा के लड़ने से सपा चुनाव हारी और फायदे में भाजपा रही थी। इसी तरह यदि घोसी सीट के उपचुनाव के मैदान में बसपा उतरती तो परिणाम पलट भी सकते थे। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उपचुनाव में सपा-बसपा के बीच हार-जीत का अंतर पिछले चुनाव में बसपा को मिले 54,248 मतों से कम रहा है। खैर, अभी बसपा सुप्रीमों के पास सोचने-समझने और रणनीति बनाने के लिए इतना समय तो है ही कि वह कोई भी फैसला लेकर अपने वोटरों तक को अपने फैसले के बारे में अवगत कर दें.बसपा के लिए यही सही रहेगा कि वह चाहें आईएनडीआईए में जाया या फिर एनडीए का हिस्सा बने, दोनों ही दशाओं में उसे फायदा ही होगा.वर्ना बसपा भी वोटकटुआ पार्टी बनकर रह जायेगी।

राजस्थान में एकला चलो की राह पर अशोक गहलोत

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान विधानसभा के चुनाव होने में अब मात्र दो माह का समय रह गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अकेले चलने की राह पर चुनावी मैदान में उतर चुके हैं। उन्होंने पूरे चुनाव की कमान अपने हाथों में थाम कर चुनावी व्यूह रचना करने में जुट गयें हैं। मुख्यमंत्री गहलोत ने अपने प्रतिद्वंदी सचिन पायलट को चुनावी रणनीति से पूरी तरह दूर कर दिया है। चुनाव के लिए गठित कांग्रेस पार्टी की किसी भी कमेटी की कमान सचिन पायलट को नहीं दी गई है। चुनावी कमेटियों में उन्हें मात्र एक सदस्य के तौर पर ही शामिल किया गया है। उनके अधिकांश समर्थकों को भी चुनावी कमेटियों से दूर रखा गया है। सचिन पायलट को चुनावी कमेटियों से दूर रहकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दिखा दिया है कि राजस्थान के वही एक छत्र नेता है। उन्हीं के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा। कांग्रेस की टिकटों के वितरण में भी उन्हीं की चलेगी। उनके समर्थको को ही टिकट मिलेगी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पिछले दिनो राजस्थान में चुनावों के लिये कोर कमेटी, कोऑर्डिनेशन कमेटी, चुनाव कम्पेनिंग कमेटी, मेनिफेस्टो कमेटी, स्ट्रेटजी कमेटी, मीडिया एंड कम्युनिकेशन कमेटी, पब्लिसिटी एंड पब्लिकेशन कमेटी और प्रोटोकॉल कमेटी सहित कुल आठ चुनावी कमेटियों का गठन किया था। इन कमेटियों में कांग्रेस वर्किंग कमेटी का सदस्य होने के नाते सचिन पायलट को तो शामिल किया गया है। मगर उनके समर्थकों को विशेष तवज्जो नहीं मिल पाया है। चुनाव में सबसे महत्वपूर्ण कोर कमेटी का संयोजक कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा को बनाया गया है।

इस कमेटी में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य भंवर जितेंद्र सिंह, सचिन पायलट, पंजाब के प्रभारी हरीश चौधरी, महेंद्रजीत मालवीया, मोहन प्रकाश, विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी, कैबिनेट मंत्री गोविंद राम मेघवाल को शामिल किया गया है। इस कमेटी में पायलट को छोड़कर बाकी सभी गहलोत समर्थक को शामिल किया गया है। विधानसभा चुनाव के दौरान महत्वपूर्ण निर्णय लेने में कोर कमेटी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसमें किसी पायलट समर्थन के नहीं आने से पायलट अकेले पड़ गए हैं। इसी तरह दूसरी सबसे महत्वपूर्ण कोऑर्डिनेशन कमेटी में कुल 26 लोगों को शामिल किया गया है। जिसमें मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित सभी पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष, विधायक दल के पूर्व नेता, कांग्रेस कार्य समिति के सदस्यों को शामिल किया गया हैं। इसमें कई मंत्री व प्रमुख नेताओं को भी जगह दी गई है। इस कमेटी में कैबिनेट मंत्री शांति धारीवाल को भी शामिल किया गया है। जिन्होंने पिछले साल 25 सितंबर को कांग्रेस पर्यवेक्षक मल्लिकार्जुन खड़गे व अजय माकन द्वारा बुलाई गई कांग्रेस विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करवाया था। धारीवाल को कांग्रेस

अनुशासन समिति द्वारा उस घटना पर कारण बताओं नोटिस भी दिया गया था। जिस पर अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है। उसके उपरांत भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने सबसे निकटवर्ती मंत्री शांति धारीवाल को उक्त महत्वपूर्ण कमेटी में शामिल करवा कर यह बता दिया है कि कांग्रेस में वही होगा जो गहलोत चाहेंगे। कैंपेनिंग कमेटी का अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री गोविंद राम मेघवाल को बनाया गया है। मेघवाल बीकानेर संभाग में गहलोत के कट्टर समर्थक नेता माने जाते हैं। पूर्व में वह भाजपा विधायक व संसदीय सचिव रह चुके हैं। उन्होंने कांग्रेस टिकट पर 2013 और 2018 का विधानसभा चुनाव लड़ा था जिसमें 2013 में हार गए थे। मंत्री बनने से पहले उन्हें प्रदेश कांग्रेस का उपाध्यक्ष भी बनाया गया था। पहले सचिन पायलट को चुनाव कम्पेनिंग कमेटी का अध्यक्ष बनाए जाने की चर्चा थी। मगर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दलित नेता गोविंदराम मेघवाल का नाम आगे कर पायलट का पत्ता साफ कर दिया। मेनिफेस्टो कमेटी का अध्यक्ष विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी को बनाया गया है। इस कमेटी में 21 सदस्यों को शामिल किया गया है। कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य होने के नाते सचिन पायलट को एक्स ऑफिस मेंबर के रूप में इस कमेटी का सदस्य बनाया गया है। पंजाब के प्रभारी व बाड़मेर से आने वाले जाट नेता हरीश चौधरी को स्ट्रैटेजिक कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। इस कमेटी में कुल 26 लोगों को शामिल किया गया है। कैबिनेट मंत्री ममता भूपेश को मीडिया एंड कम्युनिकेशन कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। इस कमेटी में 22 लोगों को शामिल किया गया है।

मीडिया एंड पब्लीसिटी कमेटी का राज्य मंत्री मुरारीलाल मीणा को अध्यक्ष बनाया गया है। इस कमेटी में 21 लोगों को शामिल किया गया है। मुरारीलाल मीणा की गिनती कट्टर पायलट समर्थको में होती है। दौसा जिले से आने वाले मुरारीलाल मीणा समाज के प्रभावशाली नेता है तथा पायलट के समर्थन में मुखर होकर बात रखते हैं। प्रोटोकॉल कमेटी का अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री प्रमोद जैन भाया को बनाया गया है इस कमेटी में 21 सदस्य शामिल है। कोटा के सांगोद से विधायक व पूर्व मंत्री भरतसिंह प्रमोद जैन भाया के भ्रष्टाचार को लेकर अक्सर मुख्यमंत्री को पत्र लिखते रहते हैं। भारत सिंह के विरोध के बावजूद प्रमोद जैन भाया को कमेटी का अध्यक्ष बनाकर गहलोत ने भरतसिंह की बोलती बंद कर दी है। हाल ही में गठित की गई आज चुनावी कमेटियों को देखने से पता लगता है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सभी कमेटियों में अपने विश्वास के नजदीकी लोगों को शामिल करवाया है। मुरारीलाल मीणा को छोड़कर बाकी सभी कमेटियों के अध्यक्ष भी गहलोत की पसंद के नेताओं को ही बनाया गया है। मुख्यमंत्री गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत भी कैंपेनिंग कमेटी के सदस्य बनाये गये है। हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भीलवाड़ा में एक बड़े किसान सम्मेलन को संबोधित किया था। लेकिन सचिन पायलट वहां भी अनुपस्थित रहे थे। कुछ महीने पहले तक बगावती रुख अपनाये हुए सचिन पायलट को कांग्रेस आला कमान ने कांग्रेस कार्य समिति का सदस्य बनाकर चुनाव तक शांत रहने के लिए तो मना लिया था। मगर राजस्थान में अशोक गहलोत किसी भी स्थिति में सचिन पायलट को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। उन्हें जहां भी मौका मिलता है वह पायलट के पर कतर देते हैं। कांग्रेस आला कमान के समझाने पर सचिन पायलट ने राजस्थान लोक सेवा आयोग में व्याप्त भ्रष्टाचार, शिक्षक भर्ती में घोटाला, पेपर लीक प्रकरण को लेकर युवा वर्ग के पक्ष में पांच दिनों तक अजमेर से जयपुर तक पदयात्रा निकालने के बाद शुरू किए गए जन आंदोलन को भी समाप्त कर दिया था। लेकिन मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य से लगता है कि राजस्थान कांग्रेस में पायलट को कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं मिलने वाली है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को राजनीति का जादूगर कहा जाता है। वह कब कौन सी बाजी पलट दे किसी को नहीं पता होता है।

आने वाली मूवी में बोल्ड हुई भूमि पेडणेकर

रही है। इसमें भूमि ने केवल सफेद चादर से अपने बदन को ढंका हुआ है। पोस्टर की रिलीज के साथ ही फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है। इस फिल्म का नया बोल्ड पोस्टर और ट्रेलर तेजी से वायरल हो रहे हैं। इसके साथ ही भूमि के चेहरे के भाव भी काफी शानदार हैं जो उसके फैन्स को अट्रैक्ट कर रहे हैं।

इस पोस्ट को भूमि ने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा, ₹जब अंत आरंभ से पहले हो! 'थैंक्यू फॉर कमिग' को देखना बिल्कुल न भूलें।

बता दें कि फिल्म 'वीरे दी वैडिंग' के बाद रिया कपूर ने एकता कपूर के साथ मिलकर एक और गर्ल गैंग फिल्म' थैंक यू फॉर कमिंग' का निर्माण किया है। इन दोनों फिल्मों की खास बात यह है कि इनमें सैक्सुएलिटी जैसे मुद्दे को उठाया गया है। फिल्म को लेकर एकता कपूर ने कहा कि ऐसी फिल्मों को देखने के लिए दर्शकों का एक खास वर्ग है। फिल्म की कहानी प्यार, दोस्ती और यौन संबंधों के विषयों को आगे बढ़ाने के तरीके पेश करती है। कहानी भूमि के किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है। भूमि कहती है, फिल्म में मेरा किरदार एक ऐसी 30 साल की महिला का है, जो अराजकता से भरी जिंदगी से जूझ रही है। इस फिल्म में प्यार, दोस्ती और आनंद को एक अलग नजरिए से पेश किया गया है।

शानदार अभिनय से दर्शकों को कायल करने वाली भूमि पेडणेकर आज किसी पहचान की मोहताज नहीं। अपनी पहली फिल्म 'दम लगा के हईशा' में साड़ी पहनी सीधी-सादी मोटी नजर आने वाली भूमि दिन-ब-दिन बोल्ड एंड सैक्सी होती जा रही है।

यकीन न हो तो उसकी आने वाली फिल्म 'थैंक्यू फॉर कमिंग' का नया पोस्टर देख लीजिए, जिसमें वह बैड पर टॉपलैस नजर आ

केजीएफ स्टार यश की अगली फिल्म ड्रग्स सिंडिकेट पर बेस्ड

60 के दशक की कहानी होगी; रशियन माफिया से निपटेंगे एक्टर

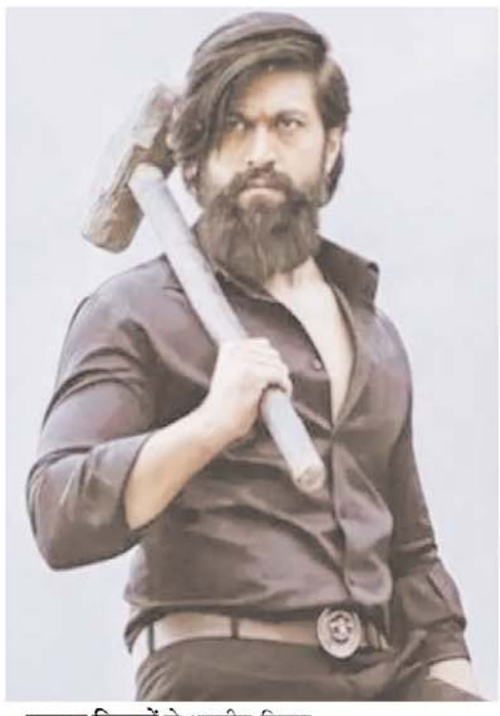

कन्नड़ फिल्मों से भारतीय फिल्म इंडस्ट्री को केजीएफ फेम यश के रूप में पैन इंडियन स्टार मिला है। इस फिल्म के दूसरे पार्ट की भी ताबड़तोड़ सफलता के बाद उनके चाहने वालों से लेकर ट्रेड गलियारा तक बेसब्र इंतजार रहा है कि यश की अगली फिल्म कौन सी होगी। इसके मद्देनजर दैनिक भास्कर को खास जानकारी हासिल हुई है।

वो ये कि यश का अगला प्रोजेक्ट गोवा के बैकग्राउंड पर बेस्ड होगा। केजीएफ की तरह ही वो भी पीरियड क्राइम ड्रामा होगी। 60 के दशक में गोवा में जो रशियन और ड्रग्स माफिया की घुसपैठ थी, वो दिखाया जाएगा। वहां यश का किरदार किस तरह रशियन आधिपत्य को चुनौती प्रदान करता है, कहानी इसी बारे में होगी।

यश को पसंद आया फिल्म का प्लॉट

यश के करीबी सूत्रों ने बताया, 'इस फिल्म के डायरेक्टर केजीएफ की तरह प्रशांत नील नहीं होंगे। उनके बजाय मलयाली फिल्मों से डायरेक्टर को फाइनल किया गया है। उनका नाम लता मेनन है। वे ना म ची न फिल्मकार और सि ने मै टो ग्रा फ र राजीव मेनन की पत्नी हैं। गोवा के ड्रग्स माफिया को साउथ में भी कम एक्सप्लोर किया गया है। साथ ही वहां के रशियन माफिया की वहां के राजनीतिक रिश्तों को भी कम उजागर किया जाता रहा है। ऐसे में सब्जेक्ट के तौर पर वो प्लॉट यश को बेहद पसंद आया। उसे वे बड़ी गंभीरता से शुरू करने पर विचार कर रहें हैं।'

100 करोड़ रहेगा फिल्म का बजट

केजीएफ सीरीज की तरह यह भी फिल्म एक्शन थ्रिलर होगी। सोर्सेज ने कहा- इस फिल्म में यश खुद भी एक प्रोड्यूसर के तौर पर हैं। उसे भी 100 करोड़ से ऊपर के बजट पर माउंट किया जा रहा है। यश को फिल्म का प्लॉट इतना पसंद आया है कि वो बाकी प्रोजेक्ट्स को साइडलाइन कर फिलहाल अपना पूरा ध्यान इसी पर लगा रहें हैं। ड्रग्स और रशियन माफिया के साथ साथ वहां जो तब हिप्पी कल्चर की आबोहवा थी, वह सब यहां दिखाया जाएगा।'

इस बीच जानकारी है कि केजीएफ-3 भी जल्द शुरू होने वाले प्रोजेक्ट्स की कतार में है। यह खबर प्रभास की 'सालार' की रिलीज डेट आगे खिसकने के चलते आई है। उसकी वजह से डायरेक्टर प्रशांत नील नवंबर तक तो उसके पोस्ट प्रोडक्शन संबंधी चीजों में बिजी रहने वाले हैं। वहां उनके करीबी खेमे से जो जानकारियां मिली हैं, उसके तहत फिल्म के वीएफएक्स का काम अधूरा रहने के चलते फिल्म आगे पुश हुई है।

कई कंपनियों में बंटा हुआ है सालार का वीएफएक्स

प्रशांत नील के करीबी सूत्रों ने कहा, 'दरअसल सालार के कुछ शॉट वीएफएक्स वाले थे, जो एंड मोमेंट पर आ नहीं पाए थे। इस लॉट में दरअसल 600 में से आधे वीएफएक्सशॉट्स चार दिन पहले आने वाले थे। असल में फिल्म के वीएफएक्सका काम कई कंपनियों में बंटा हुआ है। तकरीबन 10 से ज्यादा कंपनियां मिलकर वीएफएक्सका काम कर रहीं हैं। उनमें से एक कंपनी पर लोड ज्यादा था। जाहिर तौर पर वह तयशुदा डेडलाइन पर वीएफएक्सशॉट्स डिलीवर नहीं कर पाई।'

वीएफएक्सशॉट्स मिल भी जाए फिर भी होगा लेट

ऐसी सूरत में डायरेक्टर प्रशांत नील ने साफ स्टैंड लिया कि संबंधित कंपनी वो वीएफएक्सशॉट्स इस पड़ाव में भी दे, तो भी फाइनल टच देने में वक्त जाएगा, क्योंकि वो कंपनी भले वीएफएक्सशॉट्स अपने एंड से भेजें, फिर भी वह हरेक शॉट को क्रॉसचेक करने पर ही उन्हें हरी झंडी दिखाएंगे। लिहाजा डायरेक्टर ने रिलीज डेट को आगे ही खिसकाना मुनासिब समझा। अब सालार दिवाली पर आती है या कब, यह मेकर्स बाद में अनाउंस करेंगे। उससे पहले अब सभी ने तय किया है रिलीज की एग्जैक्ट डेट न जारी की जाए। हालांकि ट्रेड पंडितों का मानना है कि सालार को दिवाली पर लाया जा सकता है।

डायरेक्टर की साफ दलील थी कि जब फिल्म बनाने में 250 करोड़ से ज्यादा का खर्च किया गया है तो फिर वैसी वैल्यू ऑडियंस को मिलनी चाहिए। भले जरा देरी क्यों न हो?

रेड आउटफिट मे अनन्या पांडे ने करवाया फोटोशूट

एक्ट्रेस अनन्या पांडे इन दिनों अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म 'ड्रीम गर्ल 2' की सक्सेस को एंजॉय कर रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने फिल्म की सफलता का जश्न मनाया। इस पार्टी में उन्होंने रेड लुक से सबको इम्प्रेस किया। इसके बाद इस गैटअप में अनन्या ने फोटोशूट भी करवाया, जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं।

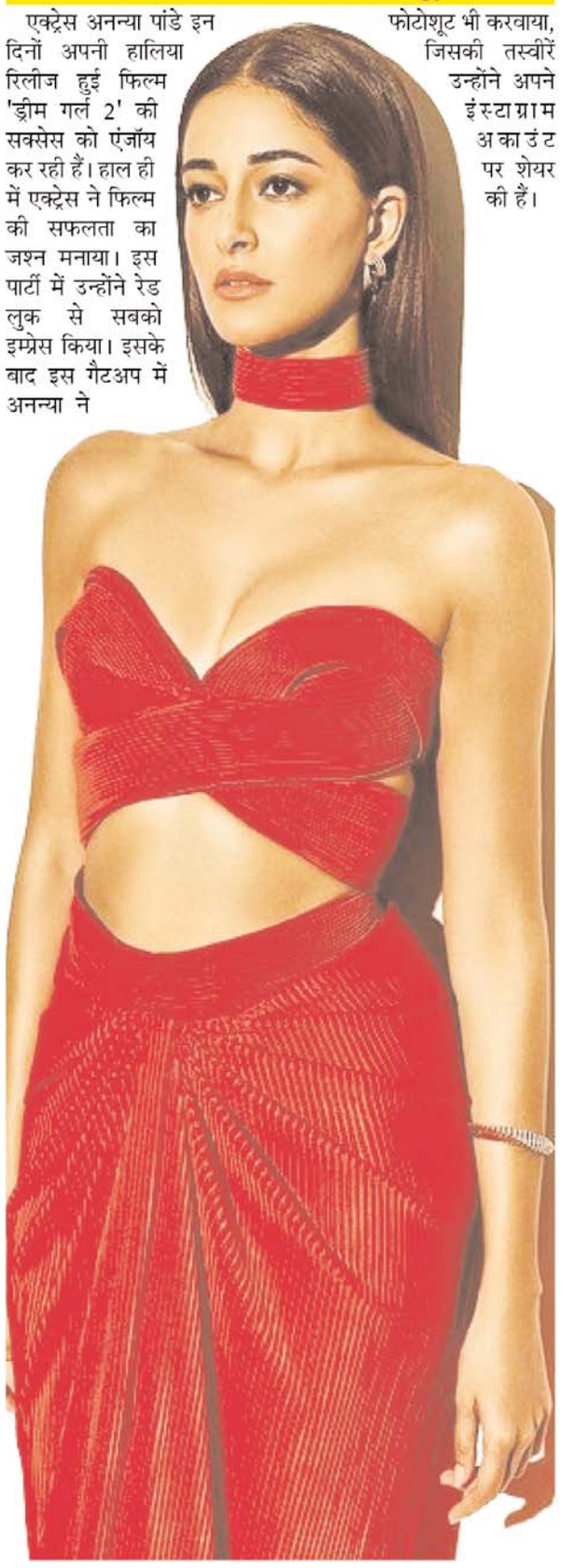

कई साल लग गए खुद को 'साबित' करने में : एल्नाज नोरौंजी

पिछले दिनों वेब सीरीज 'मेड इन हैवन' के दूसरे सीजन में नजर आई एल्नाज नोरौंजी का कहना है कि आजकल फिल्म निर्माता चाहते हैं कि कलाकार 'रोबोट' की तरह काम करें।

जब पूछा गया कि वह फिल्म उद्योग के बारे में क्या बदलना चाहेगी, तो उसने कहा, निर्माताओं और निर्देशकों को कलाकारों के प्रति अभी भी बहुत अधिक सम्मान दिखाने की जरूरत है। कलाकारों के लिए एक ढंग की यूनियन की जरूरत है। यहां, अभिनेताओं से दिन में 19 से 20 घंटे तक काम करवाया जाता है और उम्मीद करते हैं कि उसके बाद भी वे 4 घंटे सैट पर रहेंगे। न नींद, न कसरत, न रिकवरी। एक कलाकार के रूप में आप अपने दिमाग, शरीर और हर चीज का इस्तेमाल करते हैं और आपको कार्यालय जाने वाले किसी व्यक्ति की तुलना में अधिक रिकवरी को आवश्यकता होती है। मैं ऑफिस में काम करने वालों को बिल्कुल भी कमतर नहीं मानती, मैं तो बस यह कह रही हूं कि एक कलाकार के काम में बहुत कुछ होता है और हमें वास्तव में अधिक आराम की जरूरत होती है। मुझे लगता है कि निर्देशक और निर्माता आपको वह नहीं देते, वे बस यही चाहते हैं कि आप एक रोबोट की तरह काम करें। यह ऐसी चीज है, जिसे मैं वास्तव में बदलना पसंद करूंगी।

आसान नहीं ये शुरुआती दिन

मनोरंजन उद्योग में अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए ईरानी मूल की इस अभिनेत्री ने खुलासा किया कि उसके लिए भूमिकाएं हासिल करना 'बहुत कठिन' था। उसने कहा, पहले मुझे एक एक विदेशी मॉडल के रूप में देखा जाता था और लोग मुझ पर हंसते थे। मुझे सबके सामने यह साबित करना था कि मैं हिन्दी बोल ही नहीं सकती, पढ़ और लिख भी सकती हूं। मुझे यह सा बि त करने में कई साल लग गए कि में केवल एक लंबी और ब सू र त मॉडल ही नहीं हूं, मैं अभिनय भी कर सकती हूं।

नि र्मा ता और निर्देशक मुझसे नहीं मिलते थे। वे सोचते थे मैं इस लड़की को अपना समय क्यों दूँ ? मुझसे अपना नाम बदलने और इसे अधिक भारतीय जैसा बनाने के लिए भी कहा गया। और मैं बस अपने आप से कहती रही 'नहीं, तुम्हें अपने प्र ति सच्चा रहना होगा। एक दिन आएगा जब लोगों को पता चलेगा कि एल्नाज नौरोजी कौन है। हालात कठिन से कठिन होते जाते हैं लेकिन आपको अपने विश्वास पर कायम और अपने प्रति सच्चे रह कर ही सफलता मिल सकती है।

बदल गई है इंडस्ट्री

हालांकि, उसका मानना है कि पिछले कुछ सालों में इंडस्ट्री में काफी बदलाव रा है। उसने कहा, पूरे आया 'मी टू' आंदोलन के बाद, चीजें बहुत आसान हो गई हैं। निर्देशक और निर्माता सभी के लिए अच्छे हो गए हैं। हर कोई देख रहा है कि वे क्या कर रहे हैं।

डांस और हिन्दी सीखना थी सबसे बड़ी चुनौती

अपने सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बात करते हुए, एल्नाज ने खुलासा किया, मैंने अब तक चुनौतियों का ही सामना किया है। मैंने जो कुछ भी किया है, केवल वही चुनौती नहीं थी, बल्कि नृत्य सीखना मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती रही है। बॉलीवुड की फिल्में देखते हुए बचपन से ही आप नृत्य को देखने व समझने लगते हो लेकिन मेरे साथ ऐसा नहीं था। मैं यहां आई और उसके बाद डांस सीखना शुरू करना पड़ा। नृत्य सीखना बहुत आसान नहीं है। मुझे भाषा भी सीखनी पड़ी। देवनागरी में लिखना और पढ़ना भी मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक था। मैंने जर्मनी में थिएटर किया, यहां वर्कशॉप की और न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी में एक कोर्स किया, लेकिन जब आप दूसरी भाषा में अभिनय करना शुरू करते हैं तो यह बहुत कठिन हो जाता है और हिन्दी तो मेरी पहली चार भाषाओं में से एक भी नहीं थी।

'49' में भी बरकरार मलायका की खूबसूरती

मलायका अरोड़ा 49 साल की हो गई है, इसके बावजूद खूबसूरती और फिटनैस में वह नई अभिनेत्रियों को भी टक्कर देती है। वह जिस भी महफिल में पहुंचती है, समां बाध देती है। हाल ही में वह एक इवेंट में नजर आई, जहां मौजूद लोगों की नजरें उस पर टिक गईं। दरअसल, उसने काफी बोल्ड ड्रेस पहनी हुई। थी और इतना ही नहीं, उसने फोटोग्राफरों के लिए जमकर बोल्डपोज भी दिए। जाहिर है कि ऐसे में मलायका के कर्वी फिगर ने फैन्स का ध्यान उसकी ओर आकर्षित किया।

उसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होते ही लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गई हैं। वह ब्रांड विजन समिट 2023 के इवेंट में पहुंची थी, जहां उसकी यूनीक ड्रैस पर भी लोगों की निगाहें टिकी थीं। उसके हुस्न के साथ उसकी ड्रेस ने भी ध्यान खींचा। ब्रेकअप की अटकलें बॉलीवुड की लोकप्रिय जोड़ी मलायका अरोड़ा और अर्जुन कपूर को दोनों के फैन्स काफी पसंद करते हैं। कई लोगों ने उन्हें ट्रोल भी किया है, हालांकि वे ट्रोलर्स को करारा जवाब देते हुए नजर आते ते रहे हैं लेकिन इन दिनों उनके ब्रेकअप की खबरें जोरों पर हैं। मलायका ने भी एक बार फिर से एक अजीब सी पोस्ट शेयर की है और इसी के साथ बॉलीवुड के गलियारों में इनके ब्रेकअप की अफवाहें फिर से तेज हो गई हैं।

मलायका ने सोशल मीडिया पर जो पोस्ट शेयर की उसने उसमें लिखा, ₹एक महिला इस बात का रिफ्लैक्शन बन जाती है कि आप उसके साथ कैसा बिहेव करते हैं। अगर आपको उसका बिहेवियर पसंद नहीं आ रहा, तो यह देखें कि आप उसके साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो मलायका ने अर्जुन की फैमिली को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

अनुराग ठाकुर ने राहुल और उद्धव पर साधा निशाना

नईदिल्ली। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने सोमवार को कहा कि सनातन धर्म का अपमान करने का प्रयास किया जा रहा है और उन्होंने इस पर चुप रहने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा। भाजपा नेता की टिप्पणी उस राजनीतिक विवाद के बीच आई है जब द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन ने लोगों के बीच विभाजन और भेदभाव को बढ़ावा देने के लिए सनातन धर्म को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि इसे खत्म किया जाना चाहिए। राहुल गांधी के इस बयान पर कि उन्होंने उपनिषद और भगवद गीता पढ़ी है और भाजपा जो करती है उसमें कुछ भी हिंदू नहीं है, इस पर पत्रकारों के सवाल पर ठाकुर से कहा, विपक्ष को सनातन धर्म के अपमान पर अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए। मंत्री ने दावा किया, विपक्ष सनातन धर्म का अपमान करने तक ही सीमित है। यह उनकी मानसिकता को दर्शाता है और सनातन धर्म का अपमान करने के एक के बाद एक प्रयास जारी हैं।

ईडी ने अभिषेक बनर्जी को फिर किया तलब

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 13 सितंबर को तलब किया है। इसकी जानकारी खुद अभिषेक बनर्जी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर दी। बता दें, इसी दिन विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए की समन्वय समिति की पहली बैठक दिल्ली में होनी है। अभिषेक बनर्जी आईएनडीआईए की समन्वय समिति में हैं। तृणमूल सांसद ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए की समन्वय समिति की पहली बैठक 13 सितंबर को दिल्ली में निर्धारित है। मैं उस समिति का सदस्य हूं। लेकिन, ईडी ने उसी दिन पेश होने का नोटिस भेज दिया है। अभिषेक बनर्जी ने ईडी के सामने पेश होने की घोषणा करते हुए देश के प्रधानमंत्री पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा कि वह 56 इंच के सीने की बेचैनी और डरपोकपन से हैरान हैं।

हिमंत ने राहुल पर 'गांधी' सरनेम लगाने पर उठाया सवाल

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा 'गांधी' उपनाम का इस्तेमाल करने की वैधता पर सवाल उठाया और उन्हें 'सरदार ऑफ डुप्लिकेट्स' करार दिया। शर्मा ने विपक्षी गठबंधन के नाम के रूप में 'इंडिया' शब्द का उपयोग करने के लिए भी कांग्रेस की आलोचना की और दावा किया कि सबसे पुरानी पार्टी अपनी राजनीतिक सुविधा के अनुसार 'इंडिया' और भारत का उपयोग करती है। शर्मा ने भाजपा महिला मोर्चा की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी के अंतिम दिन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'मैंने उनसे (गांधी परिवार से) कहा है कि आप 'सरदार ऑफ डुप्लिकेट्स' हैं। (महात्मा) गांधी जी ने हमें आजादी दिलाई और उन्होंने उपनाम छीन लिया। ये सभी नकली (डुप्लीकेट) गांधी हैं।' उन्होंने कहा, 'मैंने लंबे समय तक शोध किया कि इंदिरा, राहुल, राजीव और प्रियंका किस 'फॉर्मूले' से गांधी बने, लेकिन मुझे इस बारे में कुछ नहीं मिला।'

दिल्ली घोषणा पत्र पर शशि थरूर ने की सरकार की तारीफ

नईदिल्ली। नई दिल्ली में हुए जी20 शिखर सम्मेलन में कई अहम मुद्दों पर विश्व प्रतिनिधियों के बीच बातचीत हुई है। इस सम्मेलन का जिक्र करते हुए कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने केंद्र सरकार की तारीफ की है। उन्होंने पूर्ण सर्वसम्मति से अपनाए गए नई दिल्ली घोषणापत्र के लिए जी20 टीम को बधाई दी और कहा कि यह एक सराहनीय उपलब्धि है। जी20 शेरपा अमिताभ कांत की प्रशंसा करते हुए, थरूर ने कहा, इस तरह का राजनयिक समझौता करना आसान नहीं था। मैं जी20 शेरपा अमिताभ कांत और हमारे विदेश मंत्री (एस जयशंकर) दोनों के संपर्क में हूं। मैं उन्हें बधाई दूंगा क्योंकि उन्होंने जो किया है वह निश्चित रूप से भारत के लिए बहुत अच्छा है। इसे पूरा करना आसान नहीं है। शशि थरूर ने कहा कि ऐसा लगता है कि उन दोनों ने काफी कड़ी मेहनत की है और मुझे लगता है कि जहां श्रेय देना चाहिए वहां श्रेय देना चाहिए। उन्होंने इस कूटनीतिक बातचीत को एक बड़ी कूटनीतिक जीत बताया है।

आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू की गिरफ्तारी पर बंद का आह्वान

अमरावती। आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम और तेलुगु देशम पार्टी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी के कारण राज्य में विरोध प्रदर्शन की आग भड़क चुकी है। चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी के विरोध में विपक्षी तेलुगु देशम पार्टी द्वारा बुलाया गया दिन भर का बंद सोमवार सुबह राज्य में शुरू हुआ। नायडू की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए टीडीपी नेता और कार्यकर्ता विभिन्न स्थानों पर सड़कों पर उतर आए। विरोध कर रहे कई नेताओं को पुलिस ने नजरबंद कर दिया और शांति बनाए रखने के लिए पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच झड़प भी देखी गई। विरोध को विफल करने के लिए पुलिस ने लगातार तीसरे दिन पार्टी के कई शीर्ष नेताओं को नजरबंद कर दिया। दरअसल, पूर्व सीएम एन चंद्रबाबू नायडू पर कथित भ्रष्टाचार का आरोप लगा है जिसके जांच सीआईडी कर रही है। सीआईडी ने अपनी चार्जशीट में नायडू को आरोपी बताया है और उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद हाउस में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस के साथ द्विपक्षीय बैठक की

हमारे रिश्ते को नयी दिशा और ऊर्जा मिलेगी : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को नई दिल्ली में क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद कहा कि सऊदी अरब भारत के सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारों में से एक है। दोनों नेताओं ने हैदराबाद हाउस में आयोजित भारत-सऊदी रणनीतिक साझेदारी परिषद की पहली बैठक के कार्यवृत्त पर भी हस्ताक्षर किए।

संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में पीएम मोदी ने कहा, दुनिया की दो बड़ी और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं के रूप में हमारा आपसी सहयोग पूरे क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। अपनी बातचीत में, हमने अपनी साझेदारी को अगले स्तर पर ले जाने के लिए कई पहलों की पहचान की है। आज की बातचीत हमारे संबंधों को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करेगी। इससे हमें मानवता के कल्याण के लिए मिलकर काम करने की प्रेरणा मिलेगी।

भारत, पश्चिम एशिया और यूरोप के बीच ऐतिहासिक आर्थिक गलियारे पर बोलते हुए मोदी ने कहा, कल हमने ऐतिहासिक आर्थिक गलियारा शुरू करने का निर्णय लिया है। यह गलियारा न केवल दो देशों को जोड़ेगा बल्कि एशिया, पश्चिम एशिया और यूरोप के बीच आर्थिक विकास और डिजिटल कनेक्टिविटी प्रदान करने में भी मदद करेगा। आपके नेतृत्व और विजन 2030 के तहत सऊदी अरब ने जबरदस्त आर्थिक विकास देखा है।

शनिवार को जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में भारत, अमेरिका, सऊदी अरब और यूरोपीय संघ ने एक मेगा भारत-मध्य पूर्व-यूरोप शिपिंग और रेलवे कनेक्टिविटी कॉरिडोर शुरू करने के लिए एक ऐतिहासिक समझौते की घोषणा की। यह भारत, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, यूरोपीय संघ, फ्रांस, इटली, जर्मनी और अमेरिका से जुड़े कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे पर सहयोग पर एक ऐतिहासिक और अपनी तरह की पहली पहल है।

क्राउन प्रिंस ने 9 से 10 सितंबर के बीच आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन के प्रबंधन और आर्थिक गलियारे सहित हासिल की गई पहलों के लिए मोदी को बधाई दी। मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद ने कहा, इस (भारत-सऊदी अरब) रिश्ते के इतिहास के दौरान कोई असहमति नहीं थी, लेकिन हमारे देश के भविष्य के निर्माण और

अवसर पैदा करने के लिए सहयोग है।

उन्होंने आगे कहा, आज हम भविष्य के अवसरों पर काम कर रहे हैं। मैं आपको जी 20 शिखर सम्मेलन के प्रबंधन और मध्य पूर्व, भारत और यूरोप को जोड़ने वाले आर्थिक गलियारे सहित हासिल की गई पहलों के लिए बधाई देता हूं, जिसके लिए आवश्यक है कि हम इसे वास्तविकता में बनाने के लिए लगन से काम करें। बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और अन्य मौजूद थे। भारत की तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे सऊदी अरब के युवराज और प्रधान मंत्री ने जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लिया। मोदी और क्राउन प्रिंस ने रणनीतिक साझेदारी परिषद की दो मंत्रिस्तरीय समितियों यानी राजनीतिक, सुरक्षा, सामाजिक और सांस्कृतिक सहयोग समिति और अर्थव्यवस्था और निवेश सहयोग समिति के तहत हुई प्रगति की समीक्षा की।

मोदी और सऊदी अरब के नेता ने राजनीतिक, सुरक्षा, रक्षा, व्यापार और आर्थिक, सांस्कृतिक और लोगों से लोगों के संबंधों सहित द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर भी चर्चा की। दोनों नेता आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे। सऊदी क्राउन प्रिंस के साथ मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों सहित एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी था। मोदी से मुलाकात से पहले मोहम्मद बिन सलमान का राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया गया। इसके बाद राजकुमार ने संयुक्त रक्षा सेवा गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। एक संक्षिप्त बयान में, मोहम्मद बिन सलमान ने भारत को सफल जी20 राष्ट्रपति पद के लिए बधाई दी।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, शाबाश भारत, बहुत सारी घोषणाएं की गईं जिनसे हमारे दोनों देशों, जी20 देशों और पूरी दुनिया को फायदा होगा। इसलिए मैं भारत से कहना चाहता हूं कि शाबाश, और हम भविष्य बनाने के लिए काम करेंगे। दोनों देशों के लिए। बाद में दिन में उनका राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करने का कार्यक्रम है। जी20 शिखर सम्मेलन में बोलते हुए प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने कहा, हम इस बैठक में घोषित पहल और आर्थिक गलियारा परियोजना के एकीकरण की आशा करते हैं। मैं उन लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने इस तक पहुंचने के लिए हमारे साथ काम किया। इस महत्वपूर्ण आर्थिक गलियारे की स्थापना के लिए संस्थापक कदम। मोदी ने कहा कि यह मेगा डील दुनिया भर में कनेक्टिविटी और स्थिरता को एक स्थायी दिशा देगी। इससे पहले, सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस ने फरवरी 2019 में राजकीय यात्रा पर भारत का दौरा किया था और वर्तमान यात्रा देश की उनकी दूसरी राजकीय यात्रा होगी।

विदेश मंत्रालय ने एक पूर्व प्रेस में कहा, भारत और सऊदी अरब के बीच ऐतिहासिक रूप से घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं, जिसमें लोगों के बीच व्यापक संपर्क हैं। वित्त वर्ष 2022-23 में दोनों देशों के बीच व्यापार 52 175 बिलियन अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। मुक्त करना। भारत सऊदी अरब का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है जबकि सऊदी अरब भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। पहले जारी विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, दोनों देशों के बीच ऊर्जा के क्षेत्र में भी मजबूत साझेदारी है। सऊदी अरब ने विभिन्न क्षेत्रों में राज्य की अग्रणी परियोजनाओं का व्यापक और इंटरैक्टिव अनुभव प्रदान करने के लिए जी20 लीडर्स शिखर सम्मेलन के संयोजन में एक तीन दिवसीय कार्यक्रम की भी मेजबानी की।

ममता-नीतीश ने कांग्रेस को दे दिया टेंशन

2024 से पहले 'इंडिया' में मच सकता है भूचाल

नईदिल्ली। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित जी20 रात्रिभोज में शामिल होने के पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के फैसले पर सवाल उठाया। चौधरी, जो पश्चिम बंगाल में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हैं, ने इस कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति पर यह तर्क देते हुए आपत्ति जताई कि इससे नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ ममता का रुख कमजोर होगा। उन्होंने कहा कि यदि वह रात्रि भोज में शामिल नहीं होती तो कुछ नहीं होता। आसमान नहीं गिरेगा। महाभारत अशुद्ध नहीं होता। कुरान अशुद्ध नहीं होता। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने इस बात पर भी आश्चर्य जताया कि क्या तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो के कार्यक्रम में भाग लेने का कोई अन्य कारण था। चौधरी ने संवाददाताओं से कहा कि जब कई गैर-भाजपाई मुख्यमंत्रियों ने रात्रिभोज में शामिल होने से परहेज किया तो वहीं दीदी (ममता बनर्जी) एक दिन पहले ही दिल्ली चली गईं। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में वह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मौजूद थीं। उन्होंने कहा, मुझे आश्चर्य है कि किस बात ने उन्हें इन नेताओं के साथ रात्रिभोज में शामिल होने के लिए दिल्ली जाने के लिए प्रेरित किया।

टीएमसी ने चौधरी पर पलटवार करते हुए कहा कि बनर्जी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के अस्तित्व में आने के लिये प्रमुख सूत्रधारों में से एक हैं और कांग्रेस नेता को प्रशासनिक दृष्टिकोण से पालन किए जाने वाले कुछ प्रोटोकॉल के बारे में उन्हें व्याख्यान देने की आवश्यकता नहीं है। सांसद शांतनु सेन ने कहा कि हर कोई जानता है कि ममता बनर्जी विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के सूत्रधारों में से एक हैं और कोई भी उनकी प्रतिबद्धता पर सवाल नहीं उठा सकता। बिहार के नीतीश कुमार, झारखंड के हेमंत

सोरेन और पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी विपक्षी दलों के राज्य नेताओं में से थे, जिन्होंने इस भव्य कार्यक्रम में भाग लिया। इस बीच, छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल, राजस्थान के अशोक गहलोत, ओडिशा के नवीन पटनायक और दिल्ली के अरविंद केजरीवाल विपक्षी दलों के उन नेताओं में शामिल थे, जो इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। आपको बता दें कि डिनर के लिए सभी मुख्यमंत्रियों को भी बुलाया गया था। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह और एचडी देवेगौडा को भी रात्रिभोज के लिए आमंत्रित किया गया है। लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे को न्योता नहीं भेजा गया है। साथ ही किसी अन्य राजनीतिक दल के नेता को भी निमंत्रण नहीं दिया गया है। यही कारण है कि कांग्रेस सरकार पर जबरदस्त तरीके से हमलावर है।

एनडीए से अलग होने के बाद नीतीश कुमार ने भी दिल्ली और प्रधानमंत्री मोदी से लगातार दूरी बनाकर रखी थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के शपथ ग्रहण में भी वह नहीं आए थे। इसके अलावा रामनाथ कोविंद के सम्मान में दिए गए रात्रिभोज में भी वह शामिल नहीं हुए थे। इतना ही नहीं, वे नीति आयोग की बैठक से भी दूर रहें। लेकिन जी20 के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित रात्रिभोज में शामिल होकर उन्होंने भी एक बड़ा संदेश दिया है।

खेल
प्रमुख समाचार

न्यूजीलैंड ने विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की

नईदिल्ली। भारत में इस साल होने वाले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पुरुष एकदिवसीय विश्व कप 2023 की तैयारी शुरू कर दी गई है। कई देश ने टीमों की घोषणा कर दी है। न्यूजीलैंड ने भारत में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हुए तेज गेंदबाज काइल जैमीसन और एडम मिल्ने भी नहीं खेलेंगे। ट्रेंट बोल्ट और जेम्स नीशम को भी शामिल किया गया है। बोल्ट, टिम साउदी, लॉकी फर्ग्यूसन और मैट हेनरी, ऑलराउंडर डेरिल मिशेल और नीशम के साथ तेज गेंदबाजी विभाग में हैं। ईश सोढ़ी और मिशेल सैंटनर टीम में विशेषज्ञ स्पिनर हैं। मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा कि टीम का नेतृत्व केन विलियमसन करेंगे, जो अपनी एसीएल चोट से उबर रहे हैं, लेकिन उनकी वापसी के लिए अभी भी कोई तारीख तय नहीं हुई है। विलियमसन के उपलब्ध होने तक टीम के उप-कप्तान टॉम लैथम नेतृत्व करना जारी रखेंगे। यह विलियमसन और साउथी का चौथा विश्व कप होगा। मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, डेरिल मिशेल और ग्लेन फिलिप्स को पहली बार एकदिवसीय विश्व कप टीम में चुना गया है, जबकि रचिन रवींद्र और यंग को पहली बार सीनियर विश्व कप टीम में चुना गया है। चुने गए 15 खिलाड़ियों को बधाई देना चाहता हूं। विश्व कप में अपने देश का प्रतिनिधित्व करना एक बड़ा सम्मान है। सभी टीमों के पास 15 खिलाड़ियों की अंतिम रूप देने के लिए 28 सितंबर तक का समय है।

टीम- केन विलियमसन (कप्तान), ट्रेंट बोल्ट, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टॉम लैथम (उपकप्तान, विकेटकीपर), डेरिल मिशेल, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, ईश सोढ़ी, टिम साउथी, विल यंग।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

निफ्टी ने पहली बार छुआ 20 हजार का आंकड़ा

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को लगातार सातवें कारोबारी सेशन में तेजी का सिलसिला जारी रहा और निफ्टी ने पहली बार 20 हजार अंक के स्तर को छुआ जबकि सेंसेक्स एक बार फिर 67 हजार के स्तर को पार कर गया। जी20 के सफल आयोजन और बाजार में प्रमुख हिस्सेदारी रखने वाले रिलायंस इंडस्ट्रीज तथा एचडीएफसी बैंक में खरीदारी से बाजार को समर्थन मिला। घरेलू निवेशकों की खरीदारी से भी बाजार में तेजी आई। इसी के साथ तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स एक बार फिर 67 हजार के पार पहुंच गया। सेंसेक्स 528.17 अंक या 0.79 प्रतिशत की बढ़त लेकर 67,127.08 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 67,172.13 अंक तक पहुंच गया था। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 भी 188.2 अंक या 0.94 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,996.35 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी अपने ऑल टाइम हाई लेवल 20,008.15 अंक पर पहुंच गया।

आईआरबी का टोल कलेक्शन अगस्त में 24 प्रतिशत बढा

नईदिल्ली। आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स लिमिटेड का टोल संग्रह अगस्त 2023 में 24 प्रतिशत बढ़कर 417.2 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में यह जानकारी दी। पिछले साल अगस्त में टोल संग्रह 336 करोड़ रुपये रहा था। बयान के अनुसार, 13 टोल में से महाराष्ट्र के आईआरबी एमपी एक्सप्रेसवे प्राइवेट लिमिटेड का कुल राजस्व संग्रह में सबसे अधिक 141.1 करोड़ रुपये का योगदान रहा। मासिक आधार पर राजस्व संग्रह में 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। जुलाई 2023 में राजस्व संग्रह 365 करोड़ रुपये था। आईआरबी इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स के उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी अमिताभ ने कहा, 'हमने हैदराबाद ओआरआर परियोजना जोड़ी है। आगामी त्योहारी सीजन के साथ-साथ गुजरात में सामाखियाली संतालपुर बीओटी परियोजना पर टोल संग्रह शुरू होने से राजस्व संग्रह बढ़ने की उम्मीद है।'

इंडियन फार्मा इंडस्ट्री के रेवेन्यू में 8-10% बढ़ोतरी की उम्मीद

नईदिल्ली। चालू वित्त वर्ष 2023-24 में घरेलू वृद्धि तथा विनियमित बाजारों में निर्यात बढ़ने से भारतीय दवा उद्योग के राजस्व में आठ से 10 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। भले ही अर्ध-विनियमित बाजारों को प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा हो। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। घरेलू रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने सोमावार को कहा कि 186 दवा निर्माताओं के अध्ययन में यह बात सामने आई। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष में इस क्षेत्र के 3.7 लाख करोड़ रुपये के वार्षिक राजस्व का करीब आधा हिस्सा है। क्रिसिल रिसर्च के निदेशक अनिकेत दानी ने कहा कि मौजूदा दवाओं और नई दवाओं के जारी करने से बिक्री भी तीन से चार प्रतिशत बढ़ेगी।

रत्नवीर कंपनी के शेयर 31% प्रीमियम के साथ हुए लिस्ट

नईदिल्ली। रत्नवीर प्रिसिजन इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयर ने सोमवार को बाजार में शानदार शुरुआत की और 98 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 31 प्रतिशत उछाल के साथ सूचीबद्ध हुए। कंपनी स्टेनलेस स्टील वॉशर विनिर्माता और आपूर्तिकर्ता है। रत्नवीर प्रिसिजन के शेयरों ने बीएसई पर निर्गम मूल्य से 30.61 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज करते हुए 128 रुपये प्रति शेयर पर शुरुआत की। बाद में यह 36.73 प्रतिशत बढ़कर 134 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर यह 25.71 प्रतिशत की तेजी के साथ 123.20 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम को पिछले सप्ताह 93.96 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ के तहत 1,68,40,000 नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा इसमें 30,40,000 शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है।

अंतरिक्ष कार्यक्रम का अर्थशास्त्र और देश-दुनिया का समाजशास्त्र

अश्विनी महाजन

चंद्रयान-3 ने विगत 23 अगस्त को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचकर सॉफ्ट लैंडिंग करने में सफलता प्राप्त की थी। चंद्रयान-3 इसरो का तीसरा चंद्र मिशन तो है ही, जिसकी शुरुआत विगत 14 जुलाई को हुई थी, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव में पहुंचने वाला यह दुनिया का पहला अंतरिक्ष यान भी था। चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के बाद भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम महत्वपूर्ण मुकाम पर पहुंच चुका है और अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत अब दुनिया के अंतरिक्ष कार्यक्रम का प्रमुख खिलाड़ी बन गया है। हालांकि अपने यहां ही कुछ लोग अंतरिक्ष कार्यक्रम की यह कहकर आलोचना करते हैं कि भारत एक गरीब देश है, जो इस प्रकार के कार्यक्रमों का खर्च वहन नहीं कर सकता। ऐसे लोगों का कहना है कि अंतरिक्ष कार्यक्रमों पर खर्च करने के बजाय देश में गरीबों के लिए सुविधाएं मुहैया करने के लिए खर्च करना चाहिए। कुछ लोग यह भी कहते हैं कि अंतरिक्ष कार्यक्रमों पर खर्च करने के बजाय यदि अपने देश की सुरक्षा पर अधिक खर्च किया जाता, तो वह बेहतर होगा।

पर समझना होगा कि चंद्रयान-3 की सफलता के बाद भारत के प्रति दुनिया के रवैये में महत्वपूर्ण बदलाव आने वाला है। वैश्विक जीडीपी रैंकिंग में भारत वर्ष 2014 में 10वें स्थान पर था, जबकि इस साल अपना देश पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। वर्ष 2025 तक इसके चौथे स्थान पर और 2028 तक तीसरे स्थान पर पहुंचने की उम्मीद है। क्रय शक्ति क्षमता के आधार पर भारत 12 अरब डॉलर से अधिक की जीडीपी के साथ तीसरे स्थान पर पहले ही पहुंच चुका है।

दुनिया में अंतरिक्ष मिशनों की बड़ी लागत रही है, पर भारत के अंतरिक्ष

कार्यक्रमों का बजट दुनिया के लिए एक मिसाल है। चंद्रयान-3 की ही बात करें, तो इसका बजट मात्र 615 करोड़ रुपये (750 लाख अमेरिकी डॉलर) है। भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम जिस किफायत के साथ संचालित होता है, यह दुनिया को अचंभे में डालने वाला है। अंतरिक्ष कार्यक्रम चलाने वाली निजी कंपनी के स्वामी एलन मस्क ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की तारीफ करते हुए कहा कि हॉलीवुड की एक विज्ञान फिल्म इंटरस्टेलर की लागत 16.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर थी, जिसकी तुलना में भारत के चंद्रयान-3 मिशन की लागत मात्र 7.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर ही है।

अमेरिका के पहले चरण के चंद्रमा मिशन पर, जिसे अपोलो कार्यक्रमों के रूप में जाना जाता है और जो 1961 से 1972 के बीच में चला, वर्ष 1973 में 25.8 अरब डॉलर खर्च हुए थे, जो 2021 के 164 अरब डॉलरों के बराबर था। अपने यहां चार लेन के 20 किलोमीटर सामान्य हाई-वे के निर्माण पर जितना खर्च होता है, उससे कम लागत पर हमने चंद्रमा पर चंद्रयान उतार दिया है!

भारत विश्व की महाशक्तियों समेत कई और देशों के अंतरिक्ष यान (उपग्रह) लॉन्च करने में सफल रहा है। इसरो ने हाल के वर्षों में अमेरिका, फ्रांस, कनाडा, इटली, सिंगापुर और इंग्लैंड सहित 20 से अधिक देशों के उपग्रह लॉन्च किए हैं। वर्ष 1993 में भारत ने पहली बार पीएसएलवी (पोलर सैटलाइट लॉन्च व्हीकल) की शुरुआत की। आज तक इसकी 58 उड़ानें हो चुकी हैं, जिनमें 55 पूर्णत: सफल, एक आंशिक सफल और दो विफल रही हैं। हर लॉन्च की कीमत उसकी धारण क्षमता के अनुसार 130 करोड़ से 200 करोड़ रुपये होती है। लेकिन दूसरे देशों के उपग्रहों को भी अंतरिक्ष में छोड़ने से इसरो की वसूली कहीं ज्यादा हो जाती है। पीएसएलवी की 37वीं उड़ान ने तो 104 उपग्रहों को एक साथ अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित कर इतिहास भी रचा था। अपने यहां इसरो द्वारा उपग्रह लॉन्च करने के लिए 30 से 40 हजार डॉलर प्रति किलोग्राम भार लिए जाते हैं, जो अमेरिकी एजेंसी नासा से कहीं कम है। देश की निजी कंपनियों के अंतरिक्ष बाजार में प्रवेश से प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी तथा लागत और भी कम होगी। इसरो ने इस दिशा में प्रयास शुरू कर दिए हैं।

शाह आज भाजपा की परिवर्तन यात्रा का करेंगे आगाज

भाजपा से सवाल करने के बजाए जनता के सवालों का जवाब दे कांग्रेस
हर विधानसभा में जाकर सरकार की खोलेंगे पोल: अरूण साव

रायपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह कल छत्तीसगढ़ आएंगे और भाजपा की परिवर्तन यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे. प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने आज परिवर्तन यात्रा कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया और जिला प्रशासन से सुरक्षा संबंधी विषयों पर चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए.

केंद्रीय मंत्री शाह सुबह 11.20 बजे दिल्ली से जगदलपुर के लिए रवाना होंगे और दोपहर 1.20 बजे जगदलपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे. दोपहर करीब 2 बजे दंतेवाड़ा स्थित करली पुलिस लाइन पहुंचेंगे. दोपहर 2.05 बजे दंतेवाड़ा में दंतेश्वरी माता के दर्शन के बाद दोपहर करीब 2.15 बजे दंतेवाड़ा में आयोजित सभा स्थल पहुंचेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे. जनसभा के बाद अमित शाह दोपहर करीब 4 बजे वापस दिल्ली लौट जाएंगे.

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने परिवर्तन यात्रा को लेकर जगदलपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत की. साव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की पहली परिवर्तन यात्रा माई दंतेश्वरी के पावन धाम से निकलेगी. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह माता दंतेश्वरी की पूजा अर्चना कर परिवर्तन यात्रा रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे. साथ ही एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे. उन्होंने कहा कि हमारी तैयारी पूरी है. यात्रा को लेकर कार्यकर्ताओं में भी भारी उत्साह है. हम प्रत्येक विधानसभा में जनता के बीच जाएंगे, जनता से संवाद करेंगे. कांग्रेस की नाकामियों को उजागर करेंगे, कांग्रेस की वादाखिलाफी और भ्रष्टाचार की पोल जनता के सामने खोलेंगे.

साव ने जगदलपुर विमानतल पर पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि राज्य में कांग्रेस पार्टी की सरकार है. छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार से प्रदेश की जनता पौने पांच साल से सवाल कर रही है. जनता पूछ रही है. स्थानीय स्तर पर आरक्षण का क्या हुआ? 32 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा जो किया था उसका क्या हुआ? स्थानीय स्तर पर युवाओं को, महिलाओं को रोजगार देने की बात भूपेश सरकार ने की थी. शराबबंदी का वादा किया था. प्रदेश के महिलाओं से गंगाजल का कसम खाकर इस कांग्रेस सरकार ने वादा किया था. साव ने कहा कि इस कांग्रेस सरकार ने हर वर्ग को ठगने का काम किया. कांग्रेस सरकार जनता के किसी भी प्रश्न का जवाब देने के लायक नहीं है. आज इन्हें जनता के बीच जाने में डर लगता है.

परिवर्तन का आगाज, नवंबर में जनता देगी जवाब

साव ने मीडिया से कहा कि परिवर्तन का आगाज हो गया है. कांग्रेस के सवालों का जवाब नवम्बर माह में प्रदेश की जनता देने वाली है. जनता का यह जवाब कांग्रेस सरकार को छत्तीसगढ़ से उखाड़ फेंकेगा. भ्रष्ट कांग्रेस सरकार के जाने से ही छत्तीसगढ़ में खुशियां आएगी, छत्तीसगढ़ विकास की ओर आगे बढ़ेगा.

बस्तर से लेकर सरगुजा तक परिवर्तन की लहर खिलेगी कमल - नबीन

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश सह प्रभारी नितिन नबीन ने कहा है कि माँ दंतेश्वरी के आशीर्वाद से दंतेवाड़ा से भाजपा की पहली परिवर्तन यात्रा की शुरुआत हो रही है। यह परिवर्तन की आवाज रायपुर और पूरे छत्तीसगढ़ तक जाएगी। श्री नबीन ने कहा कि जिस प्रकार भूपेश बघेल की सरकार ने छत्तीसगढ़ में वादाखिलाफी की है, जिस प्रकार से प्रदेश में अराजकता की स्थिति बनी हुई है, भ्रष्टाचार चरम पर है उससे पूरी तरह से सरकार के खिलाफ आक्रोश जनता में है।भाजपा प्रदेश सह प्रभारी श्री नबीन ने कहा कि परिवर्तन यात्रा का शंखनाद केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह माँ दंतेश्वरी की पवित्र भूमि से करेंगे। हमारा मानना है कि माता दंतेश्वरी का हमें आशीर्वाद मिलेगा, निश्चित ही बस्तर से लेकर कर सरगुजा तक परिवर्तन की यह आवाज बुलंद होगी और परिवर्तन के रूप में 2023 में फिर से भारतीय जनता पार्टी का कमल छत्तीसगढ़ में खिलेगा। श्री नबीन ने कहा कि 2018 में जो परिस्थितियाँ थी, वह 2023 में पूरी तरह से बदल चुकी है। कांग्रेस ने झूठे वादे किए, वादाखिलाफी की, बड़े-बड़े ऐसे वादे किए जिनको जमीन पर कहीं पर स्थान नहीं मिल पाया और 36 के 36 वादे पूरे नहीं किए। यह छत्तीसगढ़ को छलने का काम प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने किया है।

आरक्षण विधेयक कब तक होगा लंबित?: बैज

रायपुर. अमित शाह एक बार फिर से बस्तर आ रहे हैं. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, बस्तर की जनता उनसे जानना चाहती है कि 15 सालों तक छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार के दौरान बस्तर के आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों को बंधक बनाकर रखा गया था. 15 सालों तक बस्तर में शोषण का दौर चल रहा था. हम बस्तरवासी अपने ही जल, जंगल, जमीन पर अधिकार से वंचित कर दिए गये थे. जब बस्तर के साथ अत्याचार हो रहा था तब भाजपा नेतृत्व क्यों मौन था? छत्तीसगढ़ वासियों तथा बस्तर वासियों की तरफ से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह से 9 सवाल पूछते हुए जवाब मांगा है.

आरक्षण विधेयक कब तक लंबित होगा?

छत्तीसगढ़ की जनता के हित में भूपेश सरकार ने विधानसभा से आरक्षण संशोधन विधेयक पारित करवा कर राजभवन भेजा है, इस विधेयक में सर्व समाज के लिये आरक्षण का प्रावधान है जिसमें आदिवासी समाज के लिये भी 32 प्रतिशत ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत अनुसूचित जाति के लिए, 13 प्रतिशत अनारक्षित वर्ग के गरीबो के लिये 4 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है. अमित जवाब दें आदिवासियों का 32 प्रतिशत आरक्षण कब तक राजभवन में लंबित रहेगा? संवैधानिक रूप से राजभवन केन्द्रीय गृह मंत्रालय को रिपोर्ट करता है. अमित शाह गृहमंत्री है. अमित शाह बताये आरक्षण संशोधन विधेयक पर कब तक हस्ताक्षर होगा? आदिवासी समाज को उसकी आबादी के अनुपात में उसका हक मिलने आप और भाजपा क्यों बाधा बनी हुई है?

नगरनार प्लांट क्यों बेच रहे?

बस्तर का नगरनार स्टील प्लांट जो कि बस्तर वासियों की भावनाओं से जुड़ा हुआ है, जिसे केन्द्र की नरेंद्र मोदी सरकार अपने उद्योगपति मित्र को फायदा पहुंचाने विनिवेश करना चाहती है जिसकी प्रक्रिया में आरंभ हो चुकी है. बस्तर विशेषकर लोगों की भावना से जुड़ा नगरनार संयत्र बेचने की कार्यवाही कब बंद होगी?

3. नंदराज पहाड़ की लीज केन्द्र रद्द क्यों नहीं कर रहा?

नंदराज पहाड़ से ग्रामीणों की आस्था जुड़ी हुई है वे उस पहाड़ को देवतुल्य मानते हैं और उसकी पूजा करते हैं. बैलाडीला नन्दराज पहाड़ लौह अयस्क के दोहन हेतु रमन सरकार ने 2016-17 में अडानी को लीज पर दिया था, जिसके विरोध में क्षेत्र के ग्रामीणों ने लंबा संघर्ष किया. भूपेश बघेल सरकार बनते ही राज्य सरकार अडानी को दी गई लीज खारिज कर दिया, लेकिन आज दिनांक तक केन्द्र ने इसके लिए किसी प्रकार की नोटिफिकेशन जारी नहीं किया. अमित शाह बताएं अडानी का हित बड़ा है या आदिवासियों की आस्था?

एनएमडीसी का मुख्यालय बस्तर में क्यों नहीं आ रहा?

एनएमडीसी भारत की वह नवरत्न कंपनी है जो लौह अयस्क तो बस्तर से निकालती है और उसे दुनिया भर में भेजती है, लेकिन अपना मुख्य कार्यालय बस्तर की बजाए तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में बनाए बैठी है. पूर्व में बस्तर में यातायात के अभाव से यह निर्णय ठीक लगता था. लेकिन वर्तमान में बस्तर भी अब सर्वसुविधायुक्त बन चुका है. एनएमडीसी को अपना मुख्यालय अब बस्तर में बनाना चाहिए।

संत विनोबा भावे ने सदैव वंचितों और बेघरों के लिए क्रांति की: राज्यपाल

रायपुर। विनोबा सेवा संस्थान के सहयोग से संत विनोबा भावे की 129वीं जयंती समारोह के अवसर पर आयोजित भूमि अधिकार एवं भूदान पर परिचर्चा का आयोजन आज जयदेव भवन, भुवनेश्वर में किया गया ।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित छत्तीसगढ़ के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि आचार्य विनोबा भावे अद्वितीय क्रांतिकारी एवं भूदान आंदोलन के महानायक थे। उनकी देशभक्ति, दृढ़ संकल्प, स्वतंत्र सोच असाधारण और अद्वितीय थी। उन्होंने सदैव वंचितों, बेघरों के लिए क्रांति की। देश को गुलामी से मुक्त कराने के लिए गांधी से प्रेरित होकर राष्ट्रसेवा में लग गये। आचार्य भावे जी ने वंचितों के लिए बहुत बड़ा काम किया है।

राज्यपाल ने कहा कि वे गांधी के विचारों को फैलाने के लिए सेवा में लगे रहे और गांधी के आदर्शों का अक्षरशः पालन किया। आचार्य विनोबा के रूप में उन्होंने भूदान आंदोलन के माध्यम से देश के हजारों भूमिहीन लोगों को भूमि और भोजन उपलब्ध कराया। पूरे देश में पैदल यात्रा करते हुए, उन्होंने बेघरों को दान में मिली लाखों एकड़ सिंचित भूमि प्रदान करके देश से गरीबी उन्मूलन में मदद की।

बस्तर के विकास में बाधक कांग्रेस सरकार : कौशिक

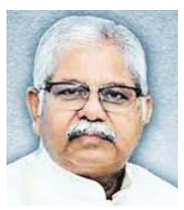

रायपुर। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा कि घोर नक्सली क्षेत्र छत्तीसगढ़ हमको मध्यप्रदेश से विरासत में मिला है और उसके बाद छत्तीसगढ़ राज्य और बस्तर को विकास की दिशा में ले जाने का काम भाजपा शासन काल में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने किया है सबसे पहले इस क्षेत्र में जिला कैडर बनाया गया है कि बस्तर के बच्चों को जो अधिकार है उन्हें मिले, उस क्षेत्र में सुदुर ग्राम तक जिला बनाया गया सुकमा, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बिजापुर ऐसे क्षेत्र को बना करके वहां वैकेंसी निकाली ताकि वहां के बच्चों को अपना भविष्य बनाने, देश में नाम रौशन करने का अवसर मिल सके। किन्तु कांग्रेस के शासन काल में चाहे व पहले की बात करें या अभी की तो आदिवासियों का शोषण करने का काम इस कांग्रेस की सरकार ने किया है। जो जिला कैडर भाजपा ने दिया था उसे भी कांग्रेस सरकार ने खत्म कर दिया जिसके कारण बस्तर क्षेत्र के बच्चों को ही उसका लाभ नहीं मिल पा रहा है किसी भी क्षेत्र के लोग वहां जा कर फॉर्म भर रहें है एक प्रकार से इस सरकार ने वहां के जनजातियां का, आदिवासियों का हक व अधिकार छिनने का काम किया है। उन्होंने कहा कि शायद कांग्रेस यह भुल गई है कि बहिगांव की घटना किसके सरकार के कार्यकाल में हुई थी चार चिरौंजी के बदले नमक दिया जाता था जिसके चलते वहां शोषण हो रहा था। कांग्रेस के समय में जो तेंदुपत्ता की कीमत है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.